तापमान
अधिकतम 26 .5 डिग्री
न्यूनतम 15 .0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 2 मार्च 2025

9 समाज को नशा मुक्त करने में ग्राम पंचायतें, सामाजिक संस्थाएं तथा यूथ क्लब अग्रणी भूमिका निभाएं: विद्यानंद

10 सेक्टर एक की नई सड़क बनाने का कार्य शुरू, शहर की कई जर्जर सड़कों पर गड्ढे बने आफत

DK Realestate
A name you can trust it.
DK Real Estate
लेकर आया है आपके लिए रेवाड़ी की प्राइम लोकेशन नया बस स्टैण्ड व मैट्रो स्टेशन के पास
प्लॉट ही प्लॉट
मात्र 16000/- से 20000/- प्रति वर्ग गज से शुरू
DK Yadav
(Real Estate Developer's)
9467141575
Website : www.dkrealestate.co.in Dinesh Kumar dkrealestaterewari DK Real Estate

खबर संक्षेप

बूस्टिंग स्टेशन का ताला तोड़कर चोरी

रेवाड़ी। निगानियावास में चोर एक बूस्टिंग स्टेशन का ताला तोड़कर जनरेटर चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में पब्लिक हेल्थ के एसडीई ने बताया कि बूस्टिंग स्टेशन के कर्मचारी प्रकाश यादव ने बताया कि जब वह बूस्टिंग स्टेशन पर गया तो उसके चैंबर का ताला टूटा हुआ मिला। उसने सूचना देकर सरपंच को मौके पर बुलाया। आसपास काफी पूछताछ करने के बाद भी जनरेटर का कोई सुराग नहीं लगा। धारूहेड़ा पुलिस ने एसडीई की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

कोर्ट के आदेश पर पीओ पर केस दर्ज

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर एक पीओ के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोर्ट में सरकार बनाम शक्कीर व आकाश उर्फ विकास केस में कोर्ट ने शक्कीर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इसके बाद भी वारंट की तामील नहीं हुई। इसके बाद कोर्ट ने उसे पीओ घोषित होने की प्रक्रिया शुरू की थी। अवधि पूरी होने के बाद पीओ घोषित कर दिया। कोर्ट ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश जारी किए थे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश जारी किए थे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।

ट्रॉली के टायर से कुचलकर हुई थी मौत

रेवाड़ी। गत दिनों मांढैया कलां निवासी धनीराम की मौत मामले में डीएसपी जांच के आधार पर टैक्टर चालक रूपराम के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का केस दर्ज किया गया है। धनीराम की मौत के बाद परिजनों ने परिवाद दायर करते हुए हत्या का आरोप लगाया था। मामले की जांच डीएसपी सुरेंद्र श्योराण को सौंपी गई थी। जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि धनीराम ट्रैक्टर पर बैठा हुआ था। शराब के नशे में वह गिरकर ट्रॉली के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कंपनी के गेट के पास खड़ी बाइक चोरी

बावल। औद्योगिक एरिया में चोर एक कंपनी के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। राजस्थान के रामपुर निवासी प्रदीप ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह सेक्टर-3 में एक कंपनी में काम करता है। घर से बाइक लेकर वह कंपनी आया था। गेट के पास बाइक खड़ी करने के बाद वह कंपनी में ड्यूटी पर चला गया। बाहर आने पर उसे बाइक नहीं मिली। काफी पूछताछ करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी।

कंपनी की पार्किंग से बाइक ले गए चोर

कसोला। सेक्टर-6 इंडस्ट्रियल एरिया में चोर एक कंपनी की पार्किंग में खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में तिहाड़ा निवासी चुन्नीलाल ने बताया कि वह सेक्टर की एक कंपनी में कार्यरत है। घर से बाइक लेकर वह कंपनी में ड्यूटी पर आया था। बाइक बाहर पार्किंग में खड़ी करने के बाद वह अंदर चला गया। छुट्टी होने के बाद जब वह बाहर निकला तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी।

खोल बेल्ट में कई गांवों में हुई ओलावृष्टि, फसलों को कहीं हल्का तो कहीं ज्यादा नुकसान

प्रकृति के सामने धरतीपुत्र लाचार, कई गांवों में ओलावृष्टि की मार, नुकसान का आकलन शुरू

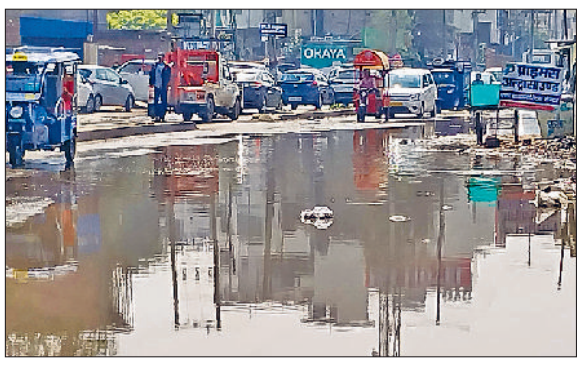

रेवाड़ी। गांव खोरी में ओलावृष्टि से बिछी सरसों की फसल, खराब हुई फसल को लेकर सचिवालय पहुंचे खोल खंड के किसान, शनिवार अलसुबह हुई बरसात से बावल रोड पर जमा पानी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रबी की फसलों के पकाव के मौके पर शुक्रवार की रात प्रकृति की मार धरतीपुत्र पर ओलावृष्टि के रूप में गिरी। खोल व बावल बेल्ट के कई गांवों में कहीं हल्की, तो कहीं भारी ओलावृष्टि हुई। राजस्व व कृषि विभाग की टीमों ने प्रभावित गांवों में फसल नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। सर्वाधिक नुकसान खोल ब्लॉक में ही माना जा रहा है, जबकि बावल के भी कई गांव ओलावृष्टि की चपेट में आए हैं। रविवार से मौसम साफ होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे किसानों को कुछ समय के लिए राहत मिल सकती है। बीते शुक्रवार को शाम के समय बूंदाबांदी के बाद देर सायं तक ओलावृष्टि शुरू हो गई थी। ओलावृष्टि की शुरूआत महेंद्रगढ़ जिले के सीमावर्ती ढाणी शोभा व आसपास के गांवों से हुई थी। इसके बाद कुंड, पाली, खोल व आसपास के गांवों में भी ओलावृष्टि हुई। कई गांवों में मोटे, तो कई गांवों में बारिक ओले गिरे। खोल व बावल खंडों के 50 से अधिक गांवों में ओलावृष्टि का असर देखने को मिला। आधी रात के आसपास डहीना ब्लॉक के गांवों में भी ओलावृष्टि हुई, परंतु इस बेल्ट में फसलों को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। शनिवार सुबह ही कृषि व राजस्व विभाग की टीमों ने ओलावृष्टि प्रभावित गांवों का दौरा करते हुए फसल नुकसान का सर्वे कराना शुरू कर दिया। सर्वे पूरा होने के बाद ही नुकसान का आकलन हो सकेगा। दोनों विभागों की टीमों ने खोल व बावल क्षेत्र के प्रभावित गांवों में दौरा शुरू कर दिया। सरकार की ओर से क्षतिपूर्ति पोर्टल जल्द खोलने की बात कही गई थी, परंतु शनिवार तक पोर्टल शुरू नहीं हो पाया था। कई गांवों में किसानों की फसलों को ओलावृष्टि से ज्यादा नुकसान की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने सरकार से जल्द सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की मांग करना भी शुरू कर दिया है। शनिवार को दोपहर तक आसमान साफ होते ही अधिकतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 26.5 पर पहुंच गया, रात का तापमान 1 डिग्री की कमी के साथ 15.0 डिग्री पर आ गया।

खराब फसल लेकर सचिवालय पहुंचे किसान

शुक्रवार रात को खोल खंड में बरसात के साथ हुई ओलावृष्टि से खोरी, राजपुरा, गोविंदपुरी, गोठड़ा, पाली, मामडिया व टींट सहित कई गांवों में सरसों व गेहूं की फसल बिछ गई। गांवों में काफी नुकसान होने का अनुमान है। शनिवार को खोरी के ग्रामीण सरसों की खराब फसल को लेकर सचिवालस पहुंचे। किसानों ने तुरंत गिरदावरी कराकर मुआवजा देने की मांग की। किसान जगबीर सिंह, समाजसेवी सतबीर सिंह, जुगबीर सिंह, रामकरण, राजेश, नरेश यादव, नवीन, विनोद, सूरजभान, मुकेश कुमार, रविन्द्र, महेन्द्र, मनोज व तेजपाल ने बताया कि ओलावृष्टि ने कटाई के लिए तैयार पूरी फसल बर्बाद कर दी है।

टूटकर और गिरकर खराब हुई फसल

गत तीन-चार दिनों से मौसम में बदलाव के चलते ओलावृष्टि व तेज हवाओं के साथ बरसात की संभावना जताई जा रही थी। इस समय सरसों की अगेती फसल पककर तैयार हो चुकी है। जल्द किसान कटाई का कार्य शुरू करने वाले हैं। गेहूं की फसल में भी दाना बनना शुरू हो गया है। पकी हुई सरसों ओलावृष्टि से झड़ गई है, जबकि काफी किसानों की फसल टूटकर भी खराब हो गई है। तेज हवा और बारिश के कारण जिन किसानों की गेहूं की फसल जमीन पर गिर गई है, उसमें उत्पादन कम होने की आशंका बन गई है। गिरी हुई फसल में पकाव सही नहीं होता, जिससे उत्पादन प्रभावित होता है।

बारिश से शहर में कीचड़ से परेशानी

बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बन गई। हालांकि शहर में बारिश ज्यादा नहीं हुई, परंतु इससे कीचड़ ही कीचड़ हो गया। गलियों और सड़कों पर शनिवार को कई जगह जल भराव व कीचड़ देखने को मिला, जिससे शहर के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगह नालों से भी पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर एकत्रित हो गया। पुरानी सब्जी मंडी व बावल रोड पर बरसात का पानी एकत्रित रहा। कई अन्य इलाकों में भी कीचड़ ने लोगों को खूब परेशान किया।

आज से मौसम साफ होने की उम्मीद

मौसम विभाग के अनुसार 2 मार्च से मौसम साफ हो सकता है। गत चार दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ था। तापमान बढ़ने के बाद बारिश की संभावना बनी हुई थी। शनिवार सुबह 8 बजे तक चौबीस घंटों के दौरान मनेठी खंड में सर्वाधिक 19 एमएम और कोसली में सबसे कम 0.5 एमएम बरसात रिकॉर्ड की गई। शनिवार को सुबह के समय मौसम साफ होने के बाद तेज धूप खिल गई, शाम के समय एक बार फिर से आसमान में बादल छा गए। जिन किसानों की फसल ओलावृष्टि से बची हुई है, ओले गिरने की आशंका सता रही है।

सभी कर्मचारी उतारे फील्ड में

अभी तक खोल बेल्ट में ही ज्यादा नुकसान की सूचना है। विभाग के सभी कर्मचारियों को सर्वे कार्य में लगाया गया है। रिपोर्ट तैयार होने के बाद ही ओलावृष्टि से नुकसान का सही आकलन हो पाएगा।
-दीपक यादव, एसडीओ, एग्रीकल्चर।

किस खंड में कितनी बरसात

रेवाड़ी	17 एमएम
मनेठी	19 एमएम
पाल्हावास	2 एमएम
धारूहेड़ा	16 एमएम
बावल	8 एमएम
कोसली	0.5 एमएम
नाहड़	2 एमएम
डहीना	4 एमएम

मनरेगा कार्य में घोटाले का आरोप कनूका के ग्रामीणों ने दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

गांव कुनका-आराम नगर के ग्रामीणों ने मनरेगा के तहत हो रहे कार्यों में घोटाले का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने समाधान शिविर में डीसी अभिषेक मीणा के समक्ष अपनी शिकायत रखी। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के ऑनलाइन रिकार्ड के अनुसार मनरेगा कार्य में 20 लाख रुपये से अधिक की गड़बड़ी का आरोप लगाया है। ग्रामीण जयसिंह, भजनलाल, नरेश कुमार, मुकेश कुमार, प्रवीण सोनी, बीना, सुमन, रीना, राजेन्द्र सिंह व संतोष ने बताया कि जॉब कार्ड अधिक लोगों के बने हुए हैं और कम लोगों को काम पर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि विदेश में रहने वाले व्यक्ति के अलावा बुजुर्ग, सेवानिवृत पुलिस जवान और एक मृतक का भी जॉब कार्ड बनाकर पैसा निकाला गया है। ग्रामीणों ने सरकार इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर सरपंच पर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। गांव के सरपंच जयवीर योगी ने कहा कि चुनावी रंजिश के चलते उनके खिलाफ लगातार शिकायतें की जा रही हैं। पंचायत और उन पर मिथ्या आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने बीडीपीओ बावल कार्यालय के अधिकारियों पर भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। शिकायत सुनने के बाद एडीसी अनुपमा अंजलि ने एक सप्ताह में मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

रेवाड़ी। सचिवालय में पहुंचे कनूका के ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

नौकरी के नाम पर लाखों रुपये ऐंठने का तीसरा आरोपी पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

थाना खोल पुलिस ने धवाना के एक युवक व उसके रिश्तेदार को नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी के तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। वर्ष 2019 में एसपी को दर्ज शिकायत में धवाना निवासी छोटेलाल ने बताया था कि उसके बेटे प्रवीन व रिश्तेदार गौरव ने सितंबर 2018 में गुरप-डी में भर्ती होने के लिए फार्म जमा कराए थे। 15 नवंबर 2018 को गोहाना के टिटौली निवासी ओमप्रकाश फौजी व सुमित उसके घर आए थे। दोनों ने प्रवीन और गौरव को गुरप-डी में भर्ती कराने की बात कहते हुए इसके लिए 15 लाख रुपये की मांग की थी। छोटेलाल ने रकम ज्यादा होने की बात कही, तो दोनों ने बताया कि पहले साढ़े 7 लाख रुपये दे दो। बाकी रकम नौकरी लगने के बाद दे देना। उसने रिश्तेदार से बातचीत करने के बाद 7.50 लाख रुपये दे दिए। उसके बेटे और रिश्तेदार को न तो नौकरी मिली और न ही उनकी दी हुई राशि वापस आई। उसकी शिकायत को कार्रवाई के लिए पुलिस थाने भेजा गया था, जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। ओमप्रकाश व सुमित को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में तिगांवा के जुनेड़ा गांव निवासी मनोज को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

■ दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

पुलिस गिरफ्त में आरोपी मनोज।

हादसा गाड़ी चालक के साथ छात्रा की मां ने सड़क पर जमकर हंगामा किया

बाइक सवार छात्रा आई कार चपेट में, मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़े

■ गंभीर चोटें नहीं आने के कारण बाद में छात्रा परीक्षा देने के लिए स्कूल पहुंच गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

महेंद्रगढ़ रोड पर टैगोर स्कूल के सामने शनिवार सुबह एक दसवीं कक्षा की छात्रा आर्टिगा कार की चपेट में आ गई। हादसे में बाइक के परखच्चे उड़ गए, लेकिन छात्रा को मामूली चोटें ही आई। गाड़ी चालक के साथ छात्रा की मां ने सड़क पर जमकर हंगामा किया।

पिथड़ावास निवासी छात्रा अर्पिता अपनी मां को साथ लेकर बाइक से पेपर देने के लिए स्कूल जा रही थी। टैगोर स्कूल के पास उसकी मां बाइक से नीचे उतर गई। जब अर्पिता रोड क्रॉस करने लगी को एक आर्टिगा गाड़ी की चपेट में आ गई।

गाड़ी की टक्कर लगते ही बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। छात्रा को मामूली चोटें आई। इसी दौरान गाड़ी चालक भी उतरकर मौके पर आ गया। छात्रा की मां ने लापरवाही के आरोप लगाते हुए उसके साथ सड़क पर ही जमकर हंगामा कर दिया। गंभीर चोटें नहीं आने के कारण बाद में छात्रा परीक्षा देने के लिए स्कूल पहुंच गई।

सड़क पर पड़ी क्षतिग्रस्त बाइक

हादसे में घायल हुई छात्रा

प्राइवेट स्कूल के ऑफिस से 3.25 लाख रुपये चोरी

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

■ पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी

जलालपुर एक प्राइवेट सीनियर सैकेंडरी स्कूल के ऑफिस से चोर 3.25 लाख रुपये चोरी कर ले गया। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। स्कूल संचालक ने स्वीपर पर नकदी चोरी कराने का आरोप लगाया है। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

स्कूल संचालक नितिन चौहान ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसके पिता सुरेंद्र चौहान ने स्कूल ऑफिस में रखी मेज की दराज में गत 27 फरवरी को 3.25 लाख रुपये रखे थे। 28 फरवरी की सुबह जब वह स्कूल पहुंचे, तो दराज से नकदी गायब मिली। स्कूल के सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर एक व्यक्ति दराज से नकदी चोरी करते हुए नजर आया। उसने आरोप लगाया कि स्कूल के स्वीपर भीमसिंह ने योजना बनाकर अपने साथियों से मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिलाया है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी।

मार्केट क्रैश

शंभू भद्र

अक्टूबर 2024 से अब तक निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ और 5 महीने में यह 12 प्रतिशत गिर चुका

बाजार गिरे तब क्या करना चाहिए?

शेयर बाजार में आज गिरावट दर्ज की गई है। लगातार बाजार को गिरता देख निवेशक परेशान हो रहे है ऐसे में आपको बताते है बाजार की गिरावट के टाइम आपको क्या करना चाहिए। शेयर बेच देना चाहिए या एसआईपी बंद कर देना चाहिए या बाजार में टिके रहना चाहिए?

बाजार जब गिरता है तो निवेशकों को कुछ समझ नहीं आता है कि शेयर बेच दें, एसआईपी बंद करें या बाजार में टिके रहें। अक्टूबर 2024 से निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ है और ये 5 महीने में 12 प्रतिशत गिर चुका है। 1996 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि बाजार में लगातार पांच महीने गिरावट आई है। इससे पहले साल 1996 में जुलाई से लेकर नवंबर महीने के बीच बाजार में लगातार 5 महीने गिरावट देखी गई थी। इन 5 महीनों के दौरान निफ्टी 50 इंडेक्स 26 प्रतिशत गिरा था। अमेरिका से लेकर यूरोप तक में की गई एकेडमिक स्टडीज से पता चलता है कि जब भी लोग बाजार में निवेश को लेकर घबराएं या चिंतित रहते हैं तब-तब बाजार ने एवरेज से ज्यादा रिटर्न दिया है। इसका मतलब है जब भी आप सोचते हैं कि शेयर बेच देना चाहिए, एसआईपी बंद कर देना चाहिए और बाजार से निकल जाना चाहिए उस समय ही बाजार में निवेश का सबसे बेहतर समय होता है। साल 2008 में 21 जनवरी को सेंसेक्स एक ही दिन में करीब 1400 अंक गिर गया था। वहीं 2008 के अंत तक सेंसेक्स 20,465 अंक से गिरकर 9716 अंक पर आ गया। वर्ष 2010 सितंबर में सेंसेक्स फिर से 20,000 अंक को पार कर गया। इसके बाद 2020 में कोरोना महामारी के कारण एक हफ्ते में सेंसेक्स 42,273 अंक से गिरकर 28,288 अंक पर आ गया था। 2020 अप्रैल से इसमें रिकवरी देखने को मिली और सेंसेक्स वर्ष के अंत तक 47,751 के स्तर पर पहुंच गया। मतलब, जब-जब बाजार में गिरावट आई है इसमें तेजी से रिकवरी भी दिखी गई है। ऐसे में जो निवेशक पहले से इन्वेस्टेड है उन्हें अपने निवेश में वैसे ही बना रहना चाहिए और जो लोग नया निवेश करना चाहते हैं वह थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं।

शेयर बाजार लगातार क्यों गिर रहे?

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक पांच महीनों में भारतीय बाजार से 3.11 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। इसके अलावा निवेशकों को चीनी कंपनियों के शेयर भारतीय कंपनियों के शेयरों की तुलना में ज्यादा सस्ते दिख रहे हैं। खाने-पीने की चीजें महंगी होने के कारण अक्टूबर 2024 में रिटेल महंगाई बढ़कर 6.21% पर पहुंच गई थी, जो महंगाई का 14 महीनों का उच्चतम स्तर था। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से जनवरी 2025 में रिटेल महंगाई घटकर 5 महीने के निचले स्तर 4.31% पर आ गई थी। लेकिन ये कमी निवेशकों का विश्वास बहाल करने के लिए काफी नहीं है। हाल के महीनों में देखा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है। डोनाल्ड ट्रम्प की ट्रेड पॉलिसीज से निवेशक काफी चिंतित है। भारत सहित कई अन्य देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी से बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। ट्रम्प ने बीते दिनों कहा था, चाहे वो कोई भी देश हो- भारत या चीन, वे हम पर जितना चार्ज करते हैं, हम भी उतना ही रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, हम व्यापार में बराबरी चाहते हैं।

चीन की ओर रुझान

विदेश संस्थागत निवेशकों का निवेश चीन भी जा रहा है। चीन की सरकार ने पिछले साल देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने के लिए बड़े निवेश का एलान किया था। इस निवेश के बाद एफआईआई चीन के बाजार में जाने लगे थे। यह दौर अभी भी जारी है। ट्रंप की जीत के बाद अमेरिकी बाजार दुनियाभर से निवेश आकर्षित कर रहा है। दूसरी तरफ संस्थागत निवेश के लिए चीन का बाजार एक मजबूत विकल्प के तौर पर उभरा है। चीन की सरकार के नए प्रयासों ने एक सकारात्मक भावना पैदा की है। चीन ने ब्याज दरों में कटौती की, मार्केट में पैसा डाला और अर्थव्यवस्था को स्थिर किया। इससे निवेशकों को कॉन्फिडेंस मिला है।

उथल-पुथल में अर्थव्यवस्था का हाल

भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? गांवों की मांग और सरकार का जोर इसे बचा सकता है। तमाम बुरी खबरों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था में हम कुछ अच्छे संकेत देख सकते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 6.2 फीसदी रही, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4% थी। अच्छे मानसून का इसमें बड़ा योगदान है, ग्रामीण इलाकों में लोगों के पास खर्च करने को पैसा आया है। सरकार ने भी खर्च में तेजी लाई है। पिछली तिमाही में हालात ठीक नहीं थे। शहरी मांग कमजोर थी। अप्रत्याशित रूप से शहरी इलाकों में लोगों के खर्च में कमी आई। पिछले साल चुनाव की वजह से सरकारी खर्च भी रुका था। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में मंदी के बादल मंडराते हुए दिख रहे थे।

टैरिफ का मामला उलझा

5.4% ग्रोथ रेट सात तिमाहियों में सबसे कम था। वैश्विक स्तर पर परेशानियाँ कम नहीं हैं। अमेरिका के साथ टैरिफ का मसला उलझा हुआ है। ट्रंप प्रशासन टैरिफ की बात कर रहा है। इससे वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है। विनिर्माण और सर्विस सेक्टर पर असर पड़ा है। आने वाले दिनों में व्यापार, होटल और परिवहन में भी सुस्ती रह सकती है। रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज भी कमजोर हैं। अब अच्छी बातों पर एक नजर डालते हैं तो कृषि क्षेत्र ने अच्छा प्रदर्शन किया। फसल अच्छी हुई। पिछले तीन महीनों में 4.4% की वृद्धि थी। केंद्र और राज्य सरकारें पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) बढ़ा रही हैं। सड़कें, पुल और प्रोजेक्ट्स पर पैसा लग रहा है। इनसे अर्थव्यवस्था को सहारा मिल सकता है। रिजर्व बैंक ने हाथ खोले हैं। नीतिगत दरें घटाईं, तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ाई। सख्त नियमों को टाला, पर 2025-26 में भी जीडीपी दर 7% से नीचे रहने का अनुमान है। अमेरिकी टैरिफ का असर छोटा होगा, पर कुछ सेक्टर्स को नुकसान होगा। विनिर्माण और सर्विसेज पर दबाव है। बजट में टैक्स राहत दी गई। इससे उपभोक्ताओं को फायदा होगा, पर वैश्विक चुनौतियाँ खत्म नहीं हुईं। तो क्या भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? फिलहाल उम्मीदें कायम हैं।

ये तबाही कब तक जारी रहेगी?

मार्च में कुछ रिकवरी देखने को मिल सकती है। मैक्रोइकॉनमिक स्तर पर बेहतर खबरें आ सकती हैं और कुछ एफआईआईज भी भारतीय बाजार में लौट सकते हैं। अभी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारी बिकवाली, अमेरिकी बांड पर बढ़ती आय, रुपये में भारी गिरावट, तीसरी तिमाही के आय में सुस्ती और हाई वैल्यूवेशन ने हाल के महीनों में बाजार की धारणा को प्रभावित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लिए गए टैरिफ को लेकर फैसले ने बाजार की दिशा-दशा बदली है। ऐतिहासिक रूप से मार्च का महीना तेजड़ियों के पक्ष में रहा है, यानी मार्च में शेयर बाजार अक्सर तेजी में रहा है। पिछले 15 सालों में बेंचमार्क इंडेक्स ने 10 बार पॉजिटिव रिटर्न दिया है और निवेशकों की कमाई कराई है। 30 साल पहले ही मार्च के दौरान तेजी रही थी। लंबी अवधि के नजरिए के हिसाब से अच्छे शेयरों को खरीद सकते हैं। वित्त वर्ष 26 में भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए जोखिम और चुनौतियों को देखें तो भारत की विकास संभावनाएं आशाजनक हैं, पर जोखिम भी हैं। निकट भविष्य में बाजार में और कमजोरी नजर आ रही है। निफ्टी शॉर्ट टर्म में और गिरावट की उम्मीद की जा सकती है।

डावांडोल बाजार में क्या अपनाएं रणनीति

यह पूरा हफ्ता निवेशकों के लिए खराब गुजरा है। इसलिए जब गिरावट का दौर हो तो शेयर में निवेश के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। एक शेयर ब्रोकर ट्रेडेड मूल्य पर धन कमाता है। इसलिए ज्यादातर ब्रोकरेज हाउस मुफ्त में सलाह दिया करते हैं। ध्यान रहे जब भी नुकसान होगा, आपका ही होगा। इस हफ्ते आपके निवेश की स्ट्रैटेजी क्या होनी चाहिए? अगर आप अपने धन से हाथ नहीं धोना चाहते तो कुछ बुनियादी नियमों का ध्यान रखें।

निवेश के लिए अपनाएं ऐसी स्ट्रैटेजी

ट्रेडर व निवेशक दोनों को अलग-अलग स्ट्रैटेजी अपनानी चाहिए। ट्रेडर है तो स्टॉपलॉस के साथ ट्रेड ले सकते हैं। गिरावट के माहौल का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि ट्रेडरों को कम क्वांटिटी के साथ ट्रेड करना चाहिए। इस वक्त ट्रेडरों के लिए भी काफी मुश्किल भरा मार्केट है। निवेशक के लिए अच्छा है कि वह सीधे निवेश से बचें। एसआईपी जारी रखें। कम अग्रेसिव निवेशक थोड़ा इंतजार करें। बाजार में रिवर्सल के संकेतों का वेट करें। इस वक्त ट्रेडर व निवेशक दोनों संभल कर अपनी स्ट्रैटेजी बनाएं। वारेन बफे के मुताबिक गिरते बाजार में निवेश करने का जोखिम उठाना चाहिए।

टिप्स का अध्ययन करें

लिटमस टेस्ट करें। आपके निवेश करने के पहले, किसी भी विश्लेषक की टिप्स का कुछ समय तक परीक्षण करें। उसके बाद ही फैसला करें। कई ब्रोकरेज हाउस अपनी बड़ी रिसर्च टीम का दावा करते हैं। उनकी रोजाना रिपोर्ट आती हैं। इनमें से कितनी सही रहती होंगी।

पहले रिसर्च करें, बाद में नहीं

निवेश के पहले शेयर के बारे में ठीक से रिसर्च करें। उस पर ब्रोकर से विस्तार से रिपोर्ट मांगें। लंबी अवधि की संभावनाएं अच्छी हों तभी निवेश करें। ट्रिगर प्राइस और टार्गेट प्राइस वाली टिप्स पर समय बर्बाद नहीं करें।

जो तेज चढ़ता है, तेज गिरता है

जब भी ऊंचाई पर कोई आंकड़ा देखा जाता है, उसमें प्रगति की बड़ी संभावना दिखाई देती है। लेकिन जब कोई शेयर काफी बढ़ चुका हो या किसी सेक्टर में काफी तेजी आ चुकी हो, सतर्क रहना चाहिए। ज्यादा पीई अनुपात का मतलब है कि भविष्य में प्रगति दर घटने वाली है।

समय नहीं है तो सिप से लगाएं धन

अगर आपके पास अपने पोर्टफोलियो में नए शेयर चुनने का समय नहीं है तो शेयर बाजार में सीधे धन नहीं लगाएं। सिस्टैमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (सिप) में निवेश से भी काफी मूल्य निर्मित किया जा सकता है।

अस्थिरता होने पर नहीं करें ये गलतियां

घबराकर बिकवाली ना करें

बाजार में अस्थिरता होने पर घबराहट में बिकवाली करने से बचें। यह सबसे पहला नियम है। कयासबाजी पर तुरंत प्रतिक्रिया करना हानिकारक साबित हो सकता है। आपको हमेशा यह बात देखनी चाहिए कि किसी शेयर की पिटाई क्यों हुई है? इसे देखते हुए ही किसी शेयर को बेचने का फैसला करना चाहिए। अगर आप गिरावट की वजहों से संतुष्ट नहीं हैं तो इस बात पर विचार करें कि क्यों आपने उस शेयर को खरीदा था। इससे आपको सही समीक्षा करने में मदद मिलेगी।

सिप को नहीं रोकें

आपका कुछ भी फैसला हो, लेकिन, म्यूचुअल फंड में सिप को रोकने की गलती कतई न करें। इससे सिप को लेने का मकसद विफल हो जाता है। बाजार में मंदी का दौर ही वह समय होता है जब आपको इनके साथ जरूर बने रहना चाहिए। इससे आपको अपने लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है। सिप को रोककर आप इक्विटी में चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ खो देंगे। गिरावट के समय आपको कम कीमत पर ज्यादा यूनिटें खरीदने का मौका मिलेगा। बाजार के वापसी करने पर आप इसका फायदा उठा सकेंगे। लंबी अवधि में इक्विटी से सबसे अच्छा रिटर्न मिलता है। इसलिए इनके साथ बने रहने में समझदारी है।

सिर्फ गिरावट के समय नहीं खरीदें

केवल पिटे हुए स्टॉकों में पैसा लगाने में आप गलती भी कर सकते हैं। इस बात का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है कि किसी कंपनी का निचला स्तर क्या होगा। इससे आप सही मूल्य को आंकने के चक्कर में बुरी तरह से फंस सकते हैं। नए निवेशकों को फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों से दूर रहना चाहिए। किसी कंपनी में निवेश करने से पहले उसके बुनियादी पहलुओं को देखना चाहिए। इस बात की भी जानकारी करनी चाहिए कि कंपनी का ट्रैक रिकॉर्ड कैसा रहा है। उसके रेवेन्यू, प्रॉफिट, प्राइस-टू-अर्निंग रेशियो और डेट-टू-इक्विटी रेशियो के बारे में जानकारी कर लेनी चाहिए। अगर आप खुद यह काम नहीं कर सकते हैं तो किसी प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए।

एक सेक्टर में लिवाली न करें

हमेशा डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोचना चाहिए। कहते हैं कि एक टोकरी में सभी अंडों को रखना बड़े नुकसान को दावत दे सकता है। इसलिए गिरावट के समय अच्छे शेयरों में निवेश के मौके तलाशने चाहिए। केवल एक सेक्टर के शेयरों में ही दांव लगाने से बचना चाहिए।

कर्ज लेकर शेयरों में न लगाएं

कई लोग ज्यादा रिटर्न के लिए कर्ज लेकर शेयरों में लगा देते हैं इस तरह के निवेश के तरीके को मार्जिन इंवेस्टिंग कहा जाता है। बेशक इस तरह से अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है। लेकिन, इसमें नुकसान भी बहुत ज्यादा होता है। इस तरह के निवेश के तरीके से हमेशा ही बचना चाहिए। बाजार में अस्थिरता के वक्त तो और भी चौकन्ना हो जाना चाहिए।

इक्विटी एनालिसिस सीखना आसान

ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

जब आप इक्विटी में निवेश करने जाते हैं तो सबसे मुश्किल काम एनालिसिस समझा जाता है। एक छात्र कॉलेज में स्टॉक मार्केट गेम्स खेला करता था। उन्हें इस गेम में मजा आया, लेकिन वह यह भी जानता था कि यह पैसा बनाने का भरोसेमंद तरीका नहीं है। उसके बाद वे इक्विटी एनालिसिस कॉम्पिटिशन में शामिल हुआ और उन्हें पता चला कि उस फोरम में जिन केस पर चर्चा हुई, वे बेहद पेचीदा थे। क्या किसी नए शख्स के लिए इक्विटी एनालिसिस शुरू करने का कोई आसान तरीका हो सकता है? अगर किसी ने फाइनेंस की पढ़ाई नहीं की है तो वह इक्विटी एनालिसिस सीखने की शुरुआत कैसे करे? आइए जानते हैं। इक्विटी एनालिसिस में कई फैक्टर्स शामिल होते हैं। इसमें आपको सूचनाओं का गंभीरता से विश्लेषण करना पड़ता है। हालांकि, बुनियादी कॉन्सेप्ट्स सिंपल और सीधे हैं। आपको यह देखना होता है कि कंपनी में ऐसी क्वॉलिटी है, जिससे उसका मुनाफा लंबे समय तक बढ़ता रहे? यह सबसे बड़ा सवाल होता है। अगर जो भी एनालिसिस करें, उससे यह पता चलना चाहिए। यह नए बिजनेस के लिए मार्केट ऑपर्च्युनिटी हो सकती है या प्रमोटर्स की समझदारी या प्रॉडक्ट्स तैयार करने का इनोवेटिव तरीका, जिससे कम समय में कंपनी बाजार के बड़े हिस्से पर कब्जा कर ले। इन सभी कामकाज का असर आखिरकार कंपनी के मुनाफे पर पड़ता है।

मार्केट मंत्र | बिजनेस डेस्क

ऐसे समझें

एक ऐसे बिजनेस की कल्पना करिए, जिसकी शुरुआत प्रमोटर्स ने अपने जेब से लगाए पैसे से की हो। इनवेस्टर्स को रिटर्न देने के लिए बिजनेस को एसेट्स की जरूरत पड़ेगी, जिससे वह कोई प्रॉडक्ट बना सके या सर्विस ऑफर कर सके। यह पैसा इस काम के लिए लगाया जाता है और इससे फिर आमदनी होने लगती है। एनालिसिस की शुरुआत इससे की जा सकती है कि कंपनी सेल्स से जो कमाई कर रही है, उससे मुनाफा होगा। टैक्स के बाद जो मार्जिन बचता है, वह इनवेस्टरों के लिए होता है। इसलिए सबसे पहले आपको इस आंकड़े पर नजर डालनी चाहिए। उसके बाद यह सवाल करना चाहिए कि सेल्स में कैसे बढ़ोतरी होगी? क्या कंपनी ट्रेडिंग बिजनेस से जुड़ी हुई है? क्या वह पैसों का इस्तेमाल सामान खरीदने के लिए करती है। इस स्टॉक के क्लीयर होने पर उसे मुनाफा होने लगेगा। कुछ कैपिटल बिजनेस की एसेट्स में ब्लॉक हो सकता है। हालांकि, एसेट्स से जितनी सेल्स हासिल होगी, इनवेस्टर्स का रिटर्न उतना ही अच्छा होगा।

ऐसे करें आकलन

मान लीजिए कि किसी बिजनेस की शुरुआत 100 रुपये से होती है। इस पैसे को फिक्स्ड एसेट्स, स्टॉक और मैटीरियल्स में लगाया जाता है। इससे फिर सामान तैयार किया जाता है। साल के अंत में 150 रुपये की बिक्री हासिल होती है, जिसकी लागत 125 रुपये रहती है। इसमें टैक्स के बाद 25 रुपये का मुनाफा होता है। ऐसे में इनवेस्टर्स का रिटर्न 25 पर्सेंट होगा। अब मान लीजिए कि उस कैपिटल से कंपनी को 300 रुपये की सालाना सेल्स हासिल होती है क्योंकि वह साल में दो बार उतना सामान तैयार करके बेचती है। तब इनवेस्टरों का रिटर्न दोगुना हो जाएगा। एक बिजनेस जो कैपिटल की मदद से अधिक सेल्स हासिल करता है और वह एसेट्स में पहले जितना ही इनवेस्टमेंट करता है तो शेयरहोल्डर्स को अधिक रिटर्न मिलता है। एसेट्स टु सेल्स टर्नओवर से इनवेस्टर्स का रिटर्न बढ़ता है। सेल्स-एसेट्स ऐसा डेटा है, जिससे इनवेस्टर को बिजनेस की एसेट प्रॉडक्टिविटी का पता चलता है।

कर्ज की समझ जरूरी

तीसरी चीज कर्ज है। अगर कोई बिजनेस कैपिटल पर 25 फीसदी का रिटर्न हासिल करता है, तो प्रमोटर्स 10 फीसदी पर कर्ज लेकर उसमें इनवेस्ट करना पसंद करेंगे। मान लीजिए कि बिजनेस में 50 फीसदी इक्विटी और 50 फीसदी बॉरोइंग है। तब क्या होगा? उस वक्त ब्याज चुकाने के बाद मुनाफा 25 रुपये से घटकर 20 रुपये रह जाएगा। हालांकि, 50 रुपये के इक्विटी पर 20 रुपये के रिटर्न 40 फीसदी होगा। यह पहले के 25 फीसदी रिटर्न से अच्छा है। इसलिए एसेट टु नेटवर्थ डाटा को भी देखना चाहिए। रिटर्न ऑन इक्विटी प्रॉफिट मार्जिन, सेल्स एसेट्स और एसेट्स नेटवर्थ से डिसाइड होता है।

इक्विटी के दम से पूरे करें सपने

किसी भी लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट में रिस्क रिवॉर्ड रेशियो का ज्यादा झुकाव इक्विटी इनवेस्टमेंट की तरफ होता है। रिस्क फ्री फिक्स्ड इनकम इनवेस्टमेंट की श्रेष्ठता तब धरी-की-धरी रह जाती है, जब हमें समझ आता है कि जोखिम से आजादी दिखने वाली चीज असल में कुछ हाथ नहीं आने की आजादी है। ये बात हमें तब समझ आती है जब हम रियल, इन्फ्लेशन एडजस्टेड, टैक्स बाद रिटर्न पर गौर करते हैं। हम जैसे ही इक्विटी निवेश की अपरिहार्यता को स्वीकार कर लेते हैं, हमारे सामने तुरंत यह सवाल आता है कि यह मुश्किल काम किया कैसे जाए?

निवेश के दो तरीके

जिन लोगों ने पहले कभी शेयरों में निवेश नहीं किया है उनके लिए यह तय करना मुश्किल है कि शुरुआत कहां से की जाए। वैसे इक्विटी निवेश के दो तरीके होते हैं। एक तरीका यह है कि आप शेयरों का चुनाव और खरीद-फरोख्त खुद करें। दूसरा, इक्विटी फंड्स के जरिए निवेश करें। दोनों का अंतिम मकसद एक ही होता है- इक्विटी से सुपीरियर रिटर्न हासिल करना। हालांकि, दोनों एक्टिविटीज एक दूसरे से एकदम अलग हैं। अगर आप एक्सपर्ट नहीं हैं या इसके लिए ज्यादा वक्त देने को तैयार नहीं हैं तो खुद निवेश करने के बारे में सोचने का कोई फायदा नहीं। ऐसे में म्यूचुअल फंड्स बेहतर विकल्प होंगे। ऐसे कई लोग हैं, जो अपना पोर्टफोलियो खुद मैनेज कर रहे हैं और बेहतर रिटर्न पा रहे हैं। हालांकि, 100 में से 5 या 10 को कामयाबी मिल पाती है। इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश से इन दिक्कतों से छुटकारा पाया जा सकता है। इक्विटी निवेश का मूल मंत्र यह है कि आपकी नजर में कामयाब स्टॉक इनवेस्टिंग क्या है और इंफॉर्मेशन, एनालिसिस के आधार पर बनी निवेश योजना को अंजाम देने की क्षमता कितनी है। लेकिन म्यूचुअल फंड्स के जरिए इक्विटी निवेश के बहुत ज्यादा फायदे हैं। सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें अनुशासित डायवर्सिफिकेशन होता है। फंड मैनेजर्स संस्थागत दायरे में काम करते हैं जिसमें उन पर निवेश के कुछ नियम लागू होते हैं। इसमें पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड रहेगा और इंडिविजुअल शेयर, सेक्टर या स्टॉक टाइप को लगने वाले झटके से सुरक्षित रहेगा। दूसरा फायदा यह होता है कि इसमें छोटी रकम से निवेश शुरू किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड्स में आप कुछेक हजार रुपये से शुरुआत कर सकते हैं। यह आसान भी होता है। इक्विटी फंड्स का एक और फायदा ये होता है कि लॉन्ग टर्म में इनसे ज्यादा रिटर्न मिलता है। शेयरों के अट्रैक्शन के हिसाब से सभी इक्विटी पोर्टफोलियो में उनकी कुछ खरीदफरोख्त होती है।

ये पांच खूबियां, तभी निवेश में कामयाबी

बिजनेस डेस्क

लोकप्रिय मान्यता के विपरीत, पैसे कमाने के लिए प्रतिभा और कौशल की उतनी जरूरत नहीं होती है जितना उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सही दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। आप शानदार रणनीतियां बनाते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं करते हैं तो आप ज्यादा कुछ नहीं कर पाएंगे। सफल निवेशक, अपने निवेश के मार्ग पर दृढ़ता और धैर्य के साथ आगे बढ़ते रहते हैं और लक्ष्य तक पहुंच कर ही मानते हैं। अगर आप भी निवेशक के तौर पर कामयाबी हासिल करना चाहते हैं तो आपे में पांच खूबियां जरूर होनी चाहिए।

पहले बचत, बाद में खर्च

सफल निवेशक महीने की शुरुआत बचत से करते हैं और खर्च बाद में करते हैं। पहले बचत करने से खर्च पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। पैसे बनाने के लिए आपका भी पहला कदम यही होना चाहिए। आप ऑटोमैटिक तरीके से महीने की शुरुआत में ही अपनी बचत को लॉक कर सकते हैं। आप बैंक को आपके रेकरिंग डिपॉजिट अकाउंट या म्यूच्यूअल फंड एसआईपी के लिए हर महीने की शुरुआत में ही कुछ रकम काट लेने का स्थायी निर्देश दे सकते हैं।

उद्देश्य के अनुसार निवेश

व्यावहारिक लक्ष्य निर्धारित करना और उसी के हिसाब से निवेश करना एक और ऐसी ही खूबी है जो काफी फायदेमंद साबित होती है। इस बात पर ध्यान देते हुए कि संसाधन सीमित हैं, आपको अपने लक्ष्यों की प्राथमिकता के आधार पर रैंकिंग करनी चाहिए और अपने निवेश लक्ष्य के अनुसार निवेश साधनों का चयन करना चाहिए। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह और रिटायरमेंट की प्लानिंग जैसे लक्ष्य दीर्घकालिक होते हैं और इसके लिए आपको म्यूच्यूअल फंड्स और पीपीएफ जैसे साधनों में निवेश करना चाहिए। दूसरी तरफ, कार खरीदना या छुट्टी में घूमने जाना जैसे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लिक्विड फंड्स, रेकरिंग डिपॉजिट जैसे अल्पकालिक निवेश साधनों में निवेश किया जा सकता है।

जोखिम उठाने की क्षमता

सफल निवेशक जोखिम उठाने से घबराते नहीं हैं। अच्छा रिटर्न पाने के लिए आपको जोखिमवाले निवेश साधनों में निवेश करना चाहिए। अपना सारा पैसा किसी पारंपरिक संपत्ति में लगाकर आप ज्यादा मुनाफा नहीं कमा पाएंगे। यहां तक कि अधिकांश पारंपरिक संपत्तियों में भी थोड़ा-बहुत जोखिम तो होता ही है। ब्याज दरें समय-समय पर घटती-बढ़ती रहती हैं। उठाए जानेवाले जोखिम को किसी अच्छे रिस्क मैनेजमेंट प्लान की मदद से सुरक्षित किया जा सकता है।

निवेश में लाएं विविधता

अनुभवी निवेशक किसी एक एसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करते हैं। उनका कहना है कि अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें। अलग-अलग निवेश साधनों में अलग-अलग रिटर्न मिलने की संभावना रहती है और जोखिम भी अलग-अलग होता है। इक्विटी में बहुत अच्छा रिटर्न मिलता है लेकिन यह बहुत परिवर्तनशील होता है। ऋण निवेश साधनों (डेट इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट्स) में थोड़ा कम जोखिम होता है और कम रिटर्न मिलता है। दूसरी तरफ, रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश में कम जोखिम होता है और अच्छा रिटर्न भी मिलता है लेकिन इसमें लिक्विडिटी का अभाव होता है। इसलिए, पोर्टफोलियो बनाते समय किसी एक ऐसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करना बेहतर होता है। इस तरह जोखिम भी कम हो जाएगा और रिटर्न से समझौता भी करना नहीं पड़ेगा।

पैसे निकालने की आदत छोड़ दें

अंतिम लेकिन बिल्कुल महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको अपने निवेश के मामले में धैर्य रखना पड़ेगा। सफल निवेशक किसी के कहने पर या इधर-उधर की बातों या विज्ञापनों पर आंख मूंदकर भरोसा करके पैसे निकालने की गलती नहीं करते हैं। मच्योरिटी से पहले निवेश की रकम निकाल लेने से लक्ष्य आधारित निवेश का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है। अपने निवेश पर अटल रहने के लिए निवेश के उद्देश्य को याद रखना जरूरी है। दीर्घकालिक निवेशों को अबाधित छोड़ देने पर अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। इसलिए समय से पहले अपने निवेश को भंजाने की गलती न करें।

सचेत रहते हुए रणनीति बनाएं, तभी गिरते बाजार में कमा पाएंगे निवेशक

अलर्ट | बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में लगातार गिरावट को दौर जारी है। ऐसे में निवेशकों को भी अलर्ट रहना होगा। भारतीय शेयर बाजार जबरदस्त हलचल से भरा हुआ है। निफ्टी 50 लगातार गिरावट के दौर से गुजर रहा है और अगर आगे भी यह ट्रेंड जारी रहा, तो यह 28 साल में अपनी सबसे लंबी गिरावट दर्ज करेगा। इससे पहले 1996 में ऐसी गिरावट देखने को मिली थी। निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा है। लगातार गिरावट के इस माहौल में निवेशकों के मन में बड़ा सवाल है अब आगे की रणनीति क्या बनाई जाए, ताकि कुछ वसूली हो सके और निवेशक घाटे से उबर सकें। ऐसे में क्या करें, बाजार से बाहर निकलें? धैर्य बनाए रखें? (लेकिन कब तक?) या नए अवसरों की तलाश करें? इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब मिलेंगे जो आपको बाजार की सही दिशा के बारे में जागरूक कर सकते हैं।

इस समय एक गिरावट तोड़ सकती है निफ्टी का 28 सालों का रिकार्ड

बाजार के आंकड़े किधर जा रहे

एक्सपर्ट्स की राय जानने से पहले बाजार की स्थिति पर एक नजर डालते हैं। निफ्टी पिछले साल सितंबर से गिर रहा है और इसमें लोअर टॉप-लोअर बॉटम पैटर्न बन रहा है। अक्टूबर 2024 से अब तक यह 11.7% गिर चुका है। फरवरी के पहले कुछ हफ्तों में ही इसमें 3% की गिरावट दर्ज हो चुकी है। सन 1990 के बाद से सिर्फ दो बार ऐसा हुआ है जब निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा हो। पहली बार 1994-95 में जब यह 31.4% टूटा था और दूसरी बार 1996 में जब यह 26% गिरा था। मौजूदा गिरावट तुलनात्मक रूप से कम है, लेकिन चिंताजनक बनी हुई है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली एक बड़ी वजह बन रहा है। अक्टूबर 2024 से एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली कर चुके हैं। वैश्विक कारणों को हम नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। चीन के बाजारों में जबरदस्त रिकवरी आई है, जिससे विदेशी निवेशक वहां शिफ्ट हो रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिकी नीतियां भी उभरते बाजारों पर असर डाल रही हैं।

निवेशक क्या करें

एक्सपर्ट्स का मानना है कि मौजूदा गिरावट में सावधान रहने की जरुरत है मगर घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक निवेश का अवसर भी हो सकता है। अब सवाल उठता है कि इस रणनीतिक निवेश की दिशा क्या होगी? हम ब्रोकरेज हाउस और एक्सपर्ट्स की राय के आधार पर इन्हें बिंदुवार रखते हैं।

निवेशकों के लिए धैर्य जरूरी

अगर आप लंबी अवधि के निवेशक हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। स्टॉक मार्केट में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। निफ्टी 50 का एक साल का फॉरवर्ड पी/ई अपने दीर्घकालिक औसत से नीचे कारोबार कर रहा है, जिसका मतलब है कि यह भविष्य में मजबूती पकड़ सकता है।

नई खरीदारी का सही समय

कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह खरीदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज सलाह देता है कि निवेशक बॉटम-अप स्टॉक-पिकिंग रणनीति अपनाएं और चरणबद्ध तरीके से उच्च गुणवत्ता वाले स्टॉक में निवेश करें।

ट्रेडर्स के लिए क्या रणनीति

अगर आप शॉर्ट-टर्म ट्रेडर हैं, तो यह समय सतर्क रहने का है, जानकारों का कहना है कि जब तक निफ्टी 22,850 के नीचे बना रहेगा, तब तक बिकवाली का दबाव रहेगा। गिरावट की स्थिति में 22,500-22,400 के स्तर तक जाने की संभावना है। ऐसे में ट्रेडर्स को स्टॉप-लॉस का सख्ती से पालन करना चाहिए।

टैक्स हार्वेस्टिंग का लाभ उठाएं

अगर आपने इस साल कुछ नुकसान उठाया है, तो आप इसे टैक्स बचाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।एसबीआई सिक्योरिटीज का सुझाव है कि अगले पांच हफ्तों में टैक्स हार्वेस्टिंग रणनीतियों पर ध्यान देना चाहिए। यह लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स को संतुलित करने में मदद कर सकता है।

विदेशियों की रणनीति पर ध्यान दें

एक अन्य विशेषज्ञ के अनुसार, वर्तमान में 'भारत बेचो, चीन खरीदो' की रणनीति अपनाई जा रही है, लेकिन यह ट्रेंड हमेशा के लिए नहीं रहेगा। उभरते बाजारों में पैसा फिर से लौटेगा, और जब ऐसा होगा तो भारतीय शेयर बाजार को भी इसका लाभ मिलेगा।

कौन-से सेक्टर में निवेश करें

- आईटी सेक्टर : रुपये की कमजोरी के कारण आईटी कंपनियों को फायदा हो सकता है।
- बैंकिंग और फाइनेंस : मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां इस गिरावट के बाद तेजी से उभर सकती हैं।
- रक्षा और मैन्युफैक्चरिंग : सरकार की मेक इन इंडिया पहल के कारण इन सेक्टर्स में ग्रोथ देखने को मिल सकती है।
- फार्मा और हेल्थकेयर : लंबी अवधि के लिए यह एक स्थिर निवेश विकल्प हो सकता है।

यह रखें ध्यान

कुल मिलाकर निफ्टी 50 ऐतिहासिक गिरावट के करीब जरूर है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि निवेशकों को घबराकर बाजार से बाहर निकल जाना चाहिए, यह एक ऐसा समय है जब सही रणनीति और धैर्य के साथ काम करने की जरूरत है। मार्केट एक्सपर्ट्स से मिली सीख यह है कि लॉन्ग-टर्म निवेशक गुणवत्तापूर्ण स्टॉक्स को होल्ड करें, शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स स्टॉप-लॉस के साथ चलें, और नए निवेशक चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में निवेश करें. बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा आते हैं, लेकिन स्मार्ट निवेशक वही होते हैं जो इन मौकों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं।

खबर संक्षेप

श्याम नगर में जागरण और भंडारा आज

रेवाड़ी। नाहड़ खंड के गांव श्यामनगर में ग्राम वासियों एवं कमेटी के सहयोग से बाबा देवता का 18वां जागरण 10 मार्च को व भंडारा 11 मार्च को आयोजित किया जाएगा। बाबा देवता कमेटी श्याम नगर के प्रधान बिजेंद्र बिजवा, उप प्रधान प्रवीण, खजांची दीपचंद तथा समाजसेवी जयसिंह ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अनिल यादव विधायक कोसली शिरकत करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि राकेश लांबा, अरमान लांबा, नवीन कड़ौधा व जगमोहन कड़ौधा रहेंगे। उन्होंने बताया कि 10 मार्च को प्रातः 9 बजे मंदिर के पुजारी पंडित महीप सीताराम की ओर से हवन किया जाएगा। रात्रि में निरोत्तम भगवत जी एंड पार्टी द्वारा जागरण किया जाएगा। 11 मार्च को श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा। इसके साथ प्रहलादपुर फरीदाबाद से ज्ञानेंद्र सरधाना एंड पार्टी द्वारा सत्संग रागिनी का कार्यक्रम किया जाएगा।

रेलमार्ग के काम में जुटे श्रमिक को लगा करंट

मंडी अटेली। नारनौल रेवाड़ी रेल मार्ग के दोहरीकरण के काम करने वाला श्रमिक करंट से घायल हो गया। जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार यूपी के प्रयागराज का रहने वाला एक फीटर कर्मी नारनौल रेवाड़ी रेल मार्ग के दोहरीकरण काम के दौरान पोल पर चढ़कर कार्य कर रहा था। रेलवे लाइन के पास गुजर रही दूसरी लाइन के 25 हजार वॉल्ट की लाइन से आए हवाई करंट से शिवराम पोल से नीचे गिर गया। जिसके बाद उसे अटेली अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया।

श्री श्याम बाबा की मूर्ति स्थापना 10 मार्च को

महेंद्रगढ़। गांव छाजियावास की ओर से बाबा श्री श्याम का जागरण व भंडारा आयोजित किया जाएगा। मंदिर कमेटी के प्रधान पूर्व सरपंच महेश कुमार, सरपंच कृपा बाई, रण सिंह, सुंदर सिंह, रामकिशन ने बताया कि नौ मार्च रात्रि को जागरण किया जाएगा। जागरण में गायक कलाकार विजय राजपूत, सुनील राजस्थानी द्वारा श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा। महेश कुमार ने बताया कि 10 मार्च को सुबह आठ बजे गांव की फिरनियों से झांकी निकाली जाएगी। उसके उपरांत सुबह 10 बजे मूर्ति स्थापना की जाएगी। सुबह 11 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यातिथि जिला परिषद सदस्य प्रधान देवेंद्र यादव रहेंगे। उन्होंने लोगो से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म-लाभ उठाए।

पूर्व मंत्री ने ओलावृष्टि पर चिंता जाहिर की

महेंद्रगढ़। हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव निंबी बलायचा सहित अनेक गांवों में शुक्रवार शाम को हुई ओलावृष्टि पर चिंता जाहिर की है। शर्मा ने कहा कि वे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बात करेंगे एवं क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि के नुकसान की गिरदावरी कराकर उन्हें 2015 की तरह मुआवजा दिलवाने का कार्य करेंगे। महेंद्रगढ़ क्षेत्र के किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

पटीकरा में फिजियोथेरेपी शिविर आज

नारनौल। बाबा निहाल चंद सेवादल पटीकरा व न्यूरो स्पाइन फिजियोथेरेपी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन दो मार्च को किया जाएगा। इस संबंध में संदीप यादव पटीकरा ने बताया कि ठाकुर जी मंदिर बड़ा मंदिर गांव पटीकरा में एक निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें न्यूरोफिजियो थेरेपी विशेषज्ञ डा. अशोक मीणा व उनकी टीम सेवाएं प्रदान करेगी। शिविर में मुख्य अतिथि माजरी धाम के महंत सुमित गिरि महाराज होंगे। अध्यक्षता संदीप यादव करेंगे। सेवा दल के सदस्य अनिल यादव व मुकुल यादव ने बताया कि शिविर प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक लागाया जाएगा। शिविर में आधुनिक मशीनों से फिजियोथेरेपी व न्यूरो मशीन थेरेपी से मरीजों का इलाज व जांच की जाएगी।

साइबर फ्रॉड व महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को लेकर किया जागरूक

समाज को नशामुक्त करने में पंचायतें सामाजिक संस्थाएं दें सहयोग: विद्यानंद

- डीएसपी ने गांव ऊष्मापुर व मस्तापुर में लोगों को नशा, साइबर फ्रॉड व अपराधों को लेकर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

डीएसपी कोसली विद्यानंद ने शनिवार को पुलिस के साथ रोहड़ाई थाना क्षेत्र के गांव ऊष्मापुर व मस्तापुर का दौरा किया तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर जल्द ही समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर थाना रोहड़ाई प्रभारी रविंद्र कुमार भी मौजूद थे। इस अवसर पर डीएसपी विद्यानंद ने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है। अपराध पर अंकुश, महिला सुरक्षा व नशे पर रोकथाम पुलिस की प्राथमिकता है। नशा समाज का साझा दुश्मन है, इसलिए समाज से नशे को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए सभी लोग अपनी जिम्मेवारी निभाएं तथा जिला पुलिस की नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में पूरा सहयोग करें। डीएसपी ने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सभी ग्राम पंचायतें, सामाजिक संस्थाएं तथा यूथ क्लब अपनी अग्रणी भूमिका निभाएं ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त किया जा सके।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जानकारी देते हुए डीएसपी विद्यानंद।

साइबर क्राइम के प्रति किया जागरूक

डीएसपी विद्यानंद ने ग्रामीणों को साइबर क्राइम से बचने के भी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि सभी साइबर अपराधों से स्वयं को दूर रखे व सोशल मीडिया पर अन्जान लोगो से फ्रैंड व फॉलो रिक्वेस्ट असेप्ट न करे तथा अपनी गोपनीय जानकारी किसी को न दे। साइबर अपराध के घटित होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर काल करे या पुलिस की साइबर क्राइम की वेबसाइट साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर अपनी शिकायत दर्ज कराए। उन्होंने कहा कि महिला विरुद्ध अपराधों पर भी पुलिस सख्ती से कार्रवाई कर रही है। महिलाओं को उनके अधिकारों व कानूनों की जानकारी दी जारी है। महिला थाना व महिला हेल्पलाइन 1091 व डायल 112 पीड़िता की मदद के लिए है। महिलाएं कभी भी अपनी शिकायत दे सकती है। कहीं भी मनचलों व असामाजिक तत्वों द्वारा परेशान करने या कहीं भी जमावड़ा रहने पर इसकी जानकारी पुलिस को दें। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मौजिज व्यक्तियों से गांवों में अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील भी की।

पुलिस कस रही

डीएसपी ने कहा कि जिला पुलिस अपने स्तर पर नशे के खिलाफ अभियान चलाए हुए हैं, जिसके तहत नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है तथा युवाओं को विभिन्न खेल गतिविधियों तथा कार्यक्रमों के माध्यम से नशे के खिलाफ जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस के अभियान से प्रेरित होकर युवा शिक्षा और खेल गतिविधियों की ओर अग्रसर हो रहे हैं वहीं अनेक नशा ग्रस्त युवकों ने नशा छोड़ने की पहल भी की गई है, जिनका प्रशासन की मदद से इलाज कराकर उन्हें फिर से समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें, पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मां-बाप अपने बच्चों की दैनिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखें तथा अपने बच्चों को नशे से दूर रखकर शिक्षा तथा खेलकूद की गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

कोसली रेलवे फाटक पर अंडरपास बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

कोसली स्टेशन क्षेत्र के लोगों ने करीब एक दशक से कागजों में लटके अंडरपास के शीघ्र निर्माण की मांग की है। 15 वर्ष पूर्व कोसली नाहड़ कनीना रोड़ पर रेलवे फाटक नम्बर-19 को बंद कर दिए जाने से कोसली स्टेशन के दोनों ओर बसी रिहायशी कॉलोनियों के निवासियों, 30 से अधिक गांवों के ग्रामीणों, बाजार के व्यापारियों व आमजन को रेल लाइन के आरपार आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करीब आठ वर्ष पूर्व दोनों ओर के बाजार व रिहायशी इलाके को जोड़ने के लिए बंद किए गए फाटक के स्थान पर अंडरपास बनाने की घोषणा की थी, लेकिन इतना समय गुजर जाने के बावजूद अंडरपास नहीं बनने से व्यापारियों और इलाके के ग्रामीणों में भारी रोष है।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि वर्ष 2010 में ओवरब्रिज निर्माण के दौरान कोसली स्टेशन के समीप बने हुए रेलवे फाटक नंबर-19 को बंद कर दिया गया था। गत 15 साल से 30 से अधिक गांवों व भाकली-2 के अंतर्गत कोसली स्टेशन क्षेत्र के लोगों को रोजाना जान जोखिम में डालकर रेलवे लाइन पार करनी पड़ रही है। लोगों की मांग के बाद बंद फाटक के स्थान पर छोटा अंडरपास बनाने की घोषणा वर्ष 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कोसली में जनसभा में की थी। 30 अक्टूबर 2017 में सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से अंडरपास निर्माण का प्रस्ताव रेल विभाग के पास मंजूरी के लिए भेजा गया था, लेकिन मंजूरी के बावजूद इस अंडरपास का आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। बंद फाटक के स्थान पर अंडरपास का निर्माण नहीं होने से लोगों को वाया नठेड़ा गांव से 4 किलोमीटर दूरी तय कर बाजार पहुंचना पड़ता है। इसके अलावा करीब 30 गांवों के लोगों को जुड्डी, सुधराना व साल्हावास गांव होते हुए 7 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा हैं। अधिक परेशानी पैदल अथवा साइकिल व दुपहिया वाहनों से आने जाने वाले लोगों को हो रही है। क्षेत्र के लोगों ने बाजार के मध्य से गुजर रहे मार्ग पर शीघ्र अंडरपास का निर्माण कराने की मांग की है।

बखापुर में गुर्जर समाज की पंचायत आज

रेवाड़ी। गुर्जर समाज की ओर से समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने के लिए पंचायत का आयोजन किया जाएगा। गुर्जर समाज के प्रधान चरणसिंह खटाना ने बताया कि पंचायत का आयोजन 2 मार्च को सुबह 10 बजे भगवान देवनारायण मंदिर परिसर गांव बखापुर में किया जाएगा। प्रधान ने सभी ग्रामवासियों व समाज से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पंचायत में शामिल होने की अपील की है।

480 दिव्यांग व वरिष्ठजन हुए लाभांवित

- बाल भवन में सहायक उपकरण वितरण समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरिभूमि न्यूज विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ेगा, जब सभी वर्ग मिलजुल कर एक साथ चलेंगे। वर्तमान में केंद्र व प्रदेश सरकार भी सबका साथ-सबका विकास और सबका प्रयास की भावना के साथ कार्य कर रही है, जिससे हमारा देश और प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विधायक शनिवार को अरावली पावर, नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन, हरियाणा पावर जेनरेशन कॉर्पोरेशन तथा आईपीजीसीएल की ओर से कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत बाल भवन में आयोजित दिव्यांगजन निशुल्क सहायता उपकरण वितरण समारोह में शिरकत कर रहे थे। शिविर में 480 दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ जनों का लाभान्वित किया गया। विधायक ने कहा कि सरकार की पहल पर अब 60 प्रतिशत तक दिव्यांगजनों को भी सहायता दी जाती है जो पहले 80 प्रतिशत तक के दिव्यांगजनों को दी जाती थी। विधायक ने रेडक्रॉस के अधिकारियों को इस प्रकार के कैंप नियमित रूप से लगाने के निर्देश दिए ताकि सहायक उपकरणों के अभाव में कोई भी दिव्यांगजन को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि जिले का विकास करना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है। सभी समस्याओं को चिन्हित कर लिया गया है, जिन्हें दूर करने के प्रयास जारी है। इस कार्य में औद्योगिक प्रतिष्ठानों व अन्य संस्थाओं की भी सहायता ली जा रही है। औद्योगिक ईकाइयों द्वारा शहर के सभी पार्कों को गोद लेकर उन्हें मेंटेन किया जाएगा। इसी प्रकार निजी स्कूलों द्वारा सभी 24 चौराहों का सौंदर्यकरण किया जाएगा। विधायक ने जिलावासियों से स्वच्छता के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों को लेकर सरकार किसानों के नुकसान की पूरी भरपाई करेगी।

इस अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी, रेडक्रॉस सचिव महेश गुप्ता, एलिमको के नोडल अधिकारी एसके रथ, वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक मंगला, रुचिका नागपाल, रेनू बाला, गीता कुमारी, सतीश मस्तान, मनोज गोयल, कृष्ण दाहिमा व नानक खोल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रेवाड़ी। दिव्यांजनों को ट्राई साइकिल भेंट करते विधायक व अन्य।

किसानों को मिलेगा सस्ता ऋण

- कृषि व ग्रामीण समृद्धि पर बजट के बाद वेबिनार आयोजित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

केंद्रीय बजट 2025-26 में भारत के अन्नदाता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे सरकार की कृषि विकास और उत्पादकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। कृषि को दस प्रमुख विकासात्मक क्षेत्रों में शामिल किया गया है, जो भारत की आर्थिक प्रगति को गति देने वाला एक महत्वपूर्ण घटक है।

केंद्रीय बजट की घोषणाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए शनिवार को कृषि और ग्रामीण समृद्धि पर बजट के बाद वेबिनार आयोजित किया गया। इस मौके पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक राजीव रंजन सहित कृषि विभाग के विभिन्न प्रतिनिधियों के साथ-साथ आरबीआई, नाबार्ड, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक राज्य सहकारी और जिला केंद्रीय सहकारी बैंक राज्य स्तरीय बैंकर्स समितियां व कृषि विकास केंद्र व किसान शामिल थे। राजीव रंजन ने बताया कि आर्थिक सर्वेक्षण 2024 में भी बताया गया था कि 31 मार्च 2024 तक 7.75 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड खाते हैं। अल्पकालिक ऋण जरूरतों को पूरा करके केसीसी योजना ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केसीसी-संशोधित ब्याज अनुदान योजना किसानों को 4 प्रतिशत की प्रभावी रियायती ब्याज दर पर ऋण दे रही है। किफायती ऋण तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने जमानत-मुक्त ऋण को 1.6 लाख से बढ़ाकर 2 लाख कर दिया है। केंद्रीय बजट 2025-26 ने संशोधित ब्याज सहायता योजना के तहत ऋण सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया है। इस कदम से कृषि में अधिक निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए किसानों की बढ़ी हुई पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले दशकों में एमआईएसएस के माध्यम से किसानों को 1.44 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। इन पहलों के माध्यम से सरकार का लक्ष्य 2023-24 में कृषि अल्पकालिक ऋण को 9.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2029-30 तक 20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। इन उपायों के जरिए सरकार न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण की सुलभता बढ़ा रही है, बल्कि किसानों को वित्तीय स्वतंत्रता भी दे रही है। जैसे-जैसे यह पहल पूरे देश में लागू होगी, इसमें भारत में कृषि ऋण को फिर से परिभाषित करने की क्षमता है।

झाबुआ में विश्व वन्य जीव दिवस पर कार्यक्रम कल

- पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह होंगे कार्यक्रम में मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

विश्व वन्य जीव दिवस के अवसर पर 3 मार्च को बावल विधानसभा क्षेत्र के गांव झाबुआ स्थित मोर एवं चिंकारा प्रजनन केंद्र पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के उद्योग-वाणिज्य, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि बावल के विधायक डॉ कृष्ण कुमार विशिष्टातिथी हों गे । कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह के निजी प्र व क्ता हरिन्द्र यादव ने बताया कि कार्यक्रम में वन्य जैव विविधता बोर्ड के चेयरमैन रणदीप सिंह जौहर सहित सभी अधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य वन्य जीव-जंतुओं तथा जैव विविधता के प्रति जागरूकता फैलाना है।

राव नरबीर सिंह।

ओलावृष्टि से प्रभावित गांवों का दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल

बावल के विधायक डॉ कृष्ण कुमार ने शनिवार को बावल व खोल खंड के गांवों को दौरा कर ओलावृष्टि से खराब हुई सरसों व गेहूं की फसलों का जायजा लिया। विधायक ने गांव राजियाकी, पुंसिका, भाड़ावास, जाटूवास, नंगली गोधा, अकबरपुर, गोलियाकी व भांडौर सहित अनेक गांवों का दौरा किया। इस मौके पर नरेश सरपंच खोरी मंडल, हेमू नंगली सरपंच, प्रदीप ठेकेदार नारायणपुर, आजाद भड़ावास, मनीष सरपंच गोलियाकी व अमर सिंह गोलियाकी सहित अनेक लोग मौजूद थे। विधायक ने अधिकारियों को किसानों की खराब फसलों की जल्द गिरदावरी करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात व ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान की सरकार पूरी भरपाई करेगी।

रेवाड़ी। ओलावृष्टि से खराब फसलों का जायजा लेते विधायक।

खराब फसलों का 50 हजार प्रति एकड़ मुआवजा मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

राष्ट्रीय नवचेतना मंच के राष्ट्रीय संयोजक विजय सोमाणी ने बरसात व ओलावृष्टि बर्बाद हुई फसलों को लेकर किसानों के प्रति चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भारी ओलावृष्टि से गेहूं व सरसों की फसल के नष्ट होने से किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। उन्होंने सरकार से ओलावृष्टि से नष्ट हुई फसलों का 50 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से किसानों को मुआवजा देने की मांग की। सरसों व गेहूं की फसल खेतों में लहलहा रही थी। अचानक कुदरत की मार ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार को तुरंत गिरदावरी के आदेश जारी करके प्रभावित किसानों के लिए उचित मुआवजे की घोषणा करनी चाहिए।

विजय सोमाणी।

पुष्पांजलि | रेजांगला-जलूरा शौर्य समिति ने किया सम्मान

सेवानिवृत्त कप्तान ने रेजांगला युद्ध स्मारक पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

भारतीय सेना में 28 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए कप्तान सुशील कुमार ने शनिवार को दिल्ली रोड स्थित रेजांगला युद्ध स्मारक पर अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। कप्तान सुशील कुमार की 26 फरवरी 1997 को सेना में भर्ती होकर रानीखेत में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 13 कुमाऊं रेजांगला बटालियन में पोस्टिंग हुई। मूलरूप से चरखीदादरी के गांव राम नगर निवासी कप्तान ने ऑपरेशन मेघदूत सियाचिन ग्लेशियर, ऑपरेशन विजय कारगिल, ऑपरेशन रक्षक जम्मू कश्मीर, ऑपरेशन फाल्कन अरुणाचल और यूएन मिशन इथोपिया में अपनी सेवाएं प्रदान की। भारतीय सेना में सराहनीय कार्य करते हुए इसी साल 26 जनवरी को सुशील कुमार को ऑनरेरी कमीशन प्राप्त हुआ।

इस मौके पर रेजांगला-जलूरा शौर्य समिति के राव नरेश चौहान राष्ट्रपूत, कप्तान हरिओम यादव, कप्तान रविन्द्र सिंह, सूबेदार मेजर धर्म देव यादव, सूबेदार मेजर सुखवीर सिंह यादव व हवलदार गजराज यादव ने स्मारक पर उनका फूलमालाओ से सम्मान किया।

रेवाड़ी। रेजांगला स्मारक पर कप्तान सुशील व अन्य। फोटो: हरिभूमि

मार्च में 13 दिन बंद रहेंगे बैंक

- आरबीआई हॉलिडे कैलेंडर के तहत 31 मार्च को बैंक क्लोजिंग का दिन, इसी दिन ईद भी
- प्रदेश में आठ दिन बंद रहेंगे बैंक, एक दिन पर सस्पेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रिजर्व बैंक की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार मार्च महीने में देश भर में राज्य व शहरों में बैंक 13 या 14 दिन बंद रहेंगे। ऐसे में उपभोक्ताओं के लिए यह जानकारी बहुत जरूरी है कि मार्च महीने में किस किस दिन बैंक बंद रहने वाले है, ताकि बैंक उपभोक्ताओं की किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बता दें कि कैलेंडर के अनुसार क्षेत्रीय त्योहारों व उत्सवों के कारण, अलग-अलग शहरों में बैंक अलग-अलग तारीखों पर बंद रहते है। यह नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के अनुसार होता है। प्रत्येक महीने के सभी रविवार व दूसरे तथा चौथे शनिवार को देशभर में बैंक बंद रहते हैं।

इस दौरान बैंकों में कोई भी कामकाज नहीं होता। मार्च महीने में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 या 13 दिन बैंक बंद रहेंगे। जिसमें पांच रविवार व दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा सात दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा, क्योंकि इस महीने 14 मार्च को होली व 31 मार्च को ईद-उल-फितर जैसे बड़े त्योहार है। हालांकि ईद-उल-फितर त्योहार के दिन बैंकों का अवकाश रहता है, लेकिन इस बार यह त्योहार 31 मार्च को है और इसी दिन बैंकों का क्लोजिंग दिन होता है। ऐसे में 31 मार्च के अवकाश को लेकर अभी सस्पेंस बना हुआ है, कि इसी दिन बैंक बंद रहेंगे या फिर ओपन रहेंगे।

ऑनलाइन बैंकिंग का करें इस्तेमाल

बैंक बंद होने की स्थिति में किसी भी प्रकार के ट्रांजेक्शन के लिए ऑनलाइन बैंकिंग का इस्तेमाल करें। अगर पैसे निकालने हैं, तो एटीएम से निकाल सकते हैं। पैसे ट्रांसफर करने के लिए इंटरनेट बैंकिंग या मोबाइल बैंकिंग का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं ट्रांजेक्शन के लिए यूपीआई का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यूपीआई सर्विस पर छुट्टी के दिन कोई असर नहीं रहता। इसके अलावा आप मोबाइल बैंकिंग का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

खबर संक्षेप

पति के खिलाफ दर्ज कराया मारपीट का केस

रेवाड़ी। कोर्ट में तलाक का केस विचाराधीन रहते एक महिला ने अपने पति पर मारपीट करने और कागजों पर साइन कराने का आरोप लगाया है। सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस बयान में जैनसभा निवासी रचना ने बताया कि उसका पति के साथ कोर्ट में तलाक का केस चल रहा है। उसने आरोप लगाया कि उसके पति संजय ने बीते वीरवार की रात घर पर आकर उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। उसने मकान अपने नाम नहीं कराने पर जान से मारने की धमकी देते हुए कुछ कागजों पर हस्ताक्षर करा लिए। महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति उसके साथ पहले भी मारपीट कर चुका है। उसके गलती मानने के कारण वह शिकायत दर्ज नहीं करा सकी थी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस के अनुसार महिला को एमएलआर में 6 चोटें दिखाई गई हैं।

कंपनी की पार्किंग से बाइक ले गए चोर

कुंड। क्षेत्र के एक गांव से करीब 24 वर्षीय महिला घर से लापता हो गई। थाना खोल पुलिस को दर्ज शिकायत में महिला के पति ने बताया कि उसकी शादी लगभग 6 साल पहले हुई थी। उसकी पत्नी को शादी के बाद एक लड़का हुआ। 20 फरवरी को वह खेत में फसल को पानी लगाने के लिए गया हुआ था। वापस आने पर उसे उसकी पत्नी घर पर नहीं मिली। रिश्तेदारियों और दूसरे स्थानों पर पूछताछ करने के बाद भी उसकी पत्नी का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी।

वृद्ध के साथ मारपीट का केस दर्ज

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने कालाका रोड पर एक वृद्ध के साथ मारपीट करने के आरोप में कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस शिकायत में ओमप्रकाश ने बताया कि वह मेडिकल स्टोर पर बैठा हुआ था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले लोगों ने आकर उस पर हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने बचाव कराते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

कारों की भिड़ंत में दो दोस्त घायल

रेवाड़ी। जैसलमेर हाइवे पर हरिनगर के पास दो कारों के बीच भिड़ंत में एक कार में सवार दो दोस्त घायल हो गए। पुलिस बयान में महेंद्रगढ़ के सुंदरह निवासी सुरेश ने बताया कि वह अपने दोस्त संदीप के साथ कार में रेवाड़ी से नारनौल की ओर जा रहा था। हरिनगर के पास एक कार ने उसकी कार को टक्कर मार दी, जिससे वह दोनों घायल हो गए। दूसरी कार का चालक टक्कर मारने के बाद फरार हो गया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद कार चालक की तलाश शुरू कर दी।

बाइक की टक्कर से एक व्यक्ति घायल

रेवाड़ी। हासांका में खाना खाने के बाद टहलने के लिए निकला युवक बाइक की टक्कर से घायल हो गया। पुलिस बयान में दीपांशु ने बताया कि वह रात को खाना खाने के बाद सड़क किनारे कच्चे रास्ते पर टहल रहा था। इसी दौरान गांव के ही बाइक चालक विनोद ने उसे टक्कर मार दी। इसके बाद विनोद भी बाइक से गिरकर घायल हो गया। उसे काफी चोटें आई हैं। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

ईंट भट्टे पर रहने वाली युवती हुई लापता

बावल। क्षेत्र के एक गांव में ईट भट्टे पर काम करने वाली मूल रूप से यूपी की एक युवती लापता हो गई। पुलिस शिकायत में युवती के भाई ने बताया कि वह ईट भट्टे पर परिवार के साथ रहता है। उसकी बहन 27 फरवरी की रात अचानक लापता हो गई। उसने आरोप लगाया है कि भट्टे पर ही रहने वाला राजस्थान का गोलू नामक युवक उसकी बहन को बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद युवती व आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

शुक्रवार रात हुई तेज बरसात से जर्जर सड़कों के गड्ढों में भरा पानी

सेक्टर एक की नई सड़क बनाने का कार्य शुरू, जर्जर सड़कों पर गड्ढे बने आफत

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

शहर के सेक्टर-1 में नेहरू पार्क से सोलहाराही तालाब होते हुए श्मशान भूमि तक की नई सड़क निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर परिषद की ओर से शनिवार को सड़क की खुदाई का कार्य शुरू किया गया। इस सड़क के नव निर्माण पर करीब 35.50 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। इसके लिए टेंडर किए जा चुके है। सेक्टर-1 की इस सड़क के जर्जर होने से लंबे समय से दयनीय हालत थी। इस मार्ग पर सोलहराही का प्राचीन मंदिर होने पर यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन रहता है तथा सचिवालय जाने के लिए भी यह शार्टकट मार्ग है, जिससे हजारों लोग गुजरते है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही थी। सेक्टरवासी भी लंबे समय सड़क बनाने की मांग कर रहे थे।

नव निर्माण के लिए सेक्टर-1 सड़क को खोदती जेसीबी

ब्रास मार्केट की सड़क पर गहरे गड्ढे

अनाजमंडी से सचिवालय के मोड पर बने गड्ढे

नगर परिषद के सामने सड़क पर बने गड्ढे।

नप का सड़कों की गुणवत्ता का नहीं ध्यान

शहर की नई बनाई गई ज्यादातर सड़के 4 से 6 महीने के अंतरात में ही टूट कर बिखर रही है, जिसका मुख्य कारण गुणवत्ता की कमी होना है। नगर परिषद की ओर से नई बन रही सड़कों की मॉनिटरिंग तक नहीं की जा रही है। टेंडर देने के बाद सड़क निर्माण कार्य ठेकेदार के भरोसे ही छोड़ा हुआ है। सड़क बिखरने के बाद नगर परिषद पैचवर्क करके खामियों को ढक रही है। नगर परिषद की ओर से सेक्टर- 3, सेक्टर-4 व सचिवालय के सामने तारकोल की सड़क बनाई गई सड़क एक साल में ही टूटकर बिखर चुकी है। इन सड़कों पर कई बार पैचवर्क किया जा चुका है।

सड़कों पर गड्ढे बन रहे आफत

शहर के बावल रोड, मिनी बाइपास, मॉडल टाउन, ब्रास मार्केट और सेक्टर सहित कॉलोनियों व बाजार की सड़कों पर गड्ढे ज्यादा नजर आ रहे है। अग्रसेन चौक से भाड़ावास गेट, मोती चौक, गोकल बाजार, रेलवे रोड और काठमंडी की सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। ब्रास मार्केट की सड़कों की तो लंबे समय से हालत दयनीय बनी हुई है। इन सड़कों के निर्माण पर नगर परिषद की ओर से सुस्ती बरती जा रही है। हालांकि सरकुलर रोड की दशा सुधारने का कार्य शुरू हो चुका है, लेकिन बाकी जर्जर सड़कों को भी नव निर्माण की दरकार है।

बरसात ने फिर बिगाड़ी सड़कों की सूरत

शुक्रवार रात्रि व सुबह हुई तेज बरसात ने शहर की सड़कों की सूरत एक बार फिर बिगाड़ दी है। जर्जर व गड्ढों युक्त सड़कों पर शनिवार को भी जलभराव की स्थिति बनी रही, जिससे वाहन चालकों व पैदल चलने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। ब्रास मार्केट, बावल रोड, मेन बाजार, नाईवाली के पास सरकुलर रोड, नई सब्जीमंडी व अनाजमंडी में जलभराव होने से सड़क के गड्ढे छिप गए, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को निकालने में ज्यादा परेशानी उठानी पड़ी। सड़क सुरक्षा कमेटी की बैठक में बार-बार आदेश देने पर भी सड़कों के गड्ढे नहीं भरे जा रहे है।

लोगों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी

नगर परिषद की ओर से शहर की सभी जर्जर सड़कों के नव निर्माण के लिए प्रक्रिया शुरू की हुई है। इन सड़कों के निर्माण के भी टेंडर जल्द छोड़ जाएंगे। लोगों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। सेक्टर-1 की सड़क का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- **पूनम यादव,** चेयरपर्सन, नगर परिषद रेवाड़ी

एक्शटॉर्शन का मास्टर माइंड चढ़ा साइबर पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

साउथ रेंज साइबर थाना पुलिस ने बैंक खाते से 2.20 लाख रुपये उड़ाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान इस बात का खुलासा हुआ है कि आरोपी एक्शटॉर्शन का भी मास्टर माइंड रहा है। पूछताछ के दौरान उससे कई मामलों का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

घटाल महनियावास निवासी महेंद्र ने साइबर थाना पुलिस ने गत वर्ष 23 नवंबर को दर्ज शिकायत में बताया था कि उसने टैक्टर खरीदने के लिए बैंक से लोन कराया था। उसके खाते में 2 लाख रुपये लोन की राशि के रूप में जमा हुए थे। पहले से ही उसके खाते में कुछ राशि पड़ी हुई थी। बाद में उसके खाते से 2.20 लाख रुपये गायब हो गए। उसने बैंक से डिटेल हासिल करने के बाद पुलिस का शिकायत दर्ज कराई थी। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच करते हुए दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। उनके बैंक खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर की गई थी। दोनों से पूछताछ करने पर बताया गया कि वह अपना बैंक खाता किराए पर उपलब्ध कराते थे। पूछताछ के बाद पुलिस ने राजस्थान के अलवर जिले के बैरावास निवासी इज्जत खान को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

कई मामलों का खुलासा होने की उम्मीद

साइबर थाना पुलिस के जांच अधिकारी हरिओम ने बताया कि जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि इज्जत खान ठगी की कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। वह अश्लील वीडियो का डर दिखाकर ब्लैकमेल करते हुए लोगों से काफी पैसा वसूलने के काम को भी अंजाम दे चुका है। उसे कोर्ट से दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के बाद ही दूसरे मामलों का खुलासा हो सकेगा।

आईजीयू में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन एमबीए प्रथम वर्ष की टीम ने जीती ट्रॉफी

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के मैनेजमेंट क्लब और प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आईजीयू के खेल मैदान में एमबीए इंटीग्रेटेड, प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के लिए क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें डीन व डायरेक्टर स्पोर्ट्स डा. आदिति शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। टूर्नामेंट का आयोजन विद्यार्थियों के बीच खेल भावना और टीम वर्क को बढ़ावा देने के लिए किया गया। मैच चार चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला एमबीए इंटीग्रेटेड और प्रथम वर्ष के बीच खेला गया, जिसमें एमबीए इंटीग्रेटेड के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और 8 ओवर में 38 रन का लक्ष्य दिया। टीम के कप्तान ने सबसे ज्यादा 16 रन बनाए। गेंदबाजी में रोहित ने 4 विकेट, जितेंद्र ने 3 और जॉनी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रथम वर्ष की टीम ने 1.3 ओवर में ही विजय प्राप्त की। फाइनल राउंड में एमबीए प्रथम वर्ष ने 10 ओवर में 120 रन बनाए, जिसके जवाब में द्वितीय वर्ष की टीम 10 ओवर में मात्र 78 रन बना सकी। मैच में प्रथम वर्ष ने 48 रन से विजय प्राप्त की। फाइनल मुकाबले में जितेंद्र यादव और जॉनी ने 4-4 विकेट और रोहित ने एक विकेट अपने नाम किया। बल्लेबाजी में जॉनी ने 38, रोहित ने 36 व जितेंद्र ने 20 रन बनाए। एमबीए प्रथम वर्ष से जितेंद्र यादव, द्वितीय वर्ष से प्रिंस व इंटीग्रेटेड से सौरभ ने कप्तान थे। प्रशांत और तुषार ने अंपायर की भूमिका निभाई। जॉनी एमबीए प्रथम वर्ष फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच रहे। जॉनी पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने तथा गेंदबाजी में जितेंद्र यादव ने सबसे ज्यादा विकेट अपने नाम किए। मैच की कामेंट्री प्रबंधन विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. सुशांत यादव ने की।

रेवाड़ी। टूर्नामेंट की विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को टैली अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭बावल

राजकीय महाविद्यालय बावल में टैली अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर पर पांच दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन प्रिंसिपल डा. नमिता ने किया। कॉन्फ्रेंस का आयोजन इंस्ट्रक्टर परमजीत गोल्डन ड्रीम कंप्यूटर बावल ने रेखा चोपड़ा की देखरेख में किया। शनिवार को पांच दिवसीय कॉन्फ्रेंस का समापन किया गया। कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य छात्रों को टैली अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में नवीनतम कौशल और ज्ञान प्रदान करना था। कॉन्फ्रेंस में इंटरेक्टिव सेशन, हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण और विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गए। इस अवसर पर प्रिंसिपल डा. नमिता ने आज के व्यवसायिक दुनिया में अकाउंटिंग कौशल के महत्व पर जोर दिया। इंस्ट्रक्टर परमजीत ने सत्रों का संचालन किया व छात्रों को मूल्यवान अंतदृष्टि और व्यावहारिक सुझाव प्रदान किए। प्राध्यापक रेखा चोपड़ा ने कहा कि कॉलेज छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज भविष्य में अपने छात्रों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए और अधिक कार्यशालाओं का आयोजन करने की योजना बना रहा है। इस अवसर पर डा. इंद्रजीत सिंह, संतपाल, डा. किरण शर्मा, सावित्री देवी, सुदेश देवी व डा. बबीता यादव उपस्थित रही।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। कार्यक्रम में स्वच्छता पर लघु नाटिका पेश करते विद्यार्थी तथा कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

भजन गायकों ने जागरण में किया श्याम बाबा की महिमा का गुणगान

कोसली। श्री श्याम शिव शक्ति मंडल गुड़ियानी की ओर से श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का सातवां संकीर्तन महोत्सव का आयोजन यंग रामलीला मैदान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विजय गुड़ियानी ने रिबन काटकर तथा सरस्वती स्कूल के निदेशक धर्मवीर शर्मा ने ज्योति प्रज्ज्वलित करके किया। गणेश वंदना के बाद रेवाड़ी से गायक शिवम अग्रवाल व अविनाश भारद्वाज, दिल्ली से नरेश बृजवासी एवं गुरुग्राम से गीता सांवरिया ने मनमोहक भजनों के माध्यम से बाबा का गुणगान किया। चिराग महाकाली आर्ट ग्रुप की ओर से सुंदर झांकियां प्रस्तुत की गई। इससे पूर्व कीर्तन स्थल पर हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनोज गोयल, मंडल प्रधान बबलू पंडित, रविंद्र बंसल, पूर्व सरपंच धर्मपाल, कालूराम, सुरेंद्र यादव, विनय सोनी, दिनेश यादव, सुरेंद्र यादव, घनश्याम सैनी, बिल्लू बंसल, राकेश गोयल व विपिन गोयल सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

रेवाड़ी। श्री श्याम जागरण में भजन गाते हुए शिवम अग्रवाल।

स्कूल के खेल मैदान में चला स्वच्छता अभियान

- विद्यार्थियों ने स्वच्छता पर लघु नाटिका प्रस्तुत कर सभी को सफाई व पॉलिथीन का प्रयोग नहीं करने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

मेगा सफाई अभियान की कड़ी में शनिवार को अग्रसेन चौक स्थित राजकीय ब्वॉयज स्कूल के खेल मैदान में स्वच्छता अभियान चलाया गया। शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की मुहिम के तहत विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में चलाए जा रहे अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने स्वच्छता पर लघु नाटिका प्रस्तुत कर सभी को सफाई व पॉलिथीन का प्रयोग नहीं करने का संदेश दिया। इस मौके पर राजकीय ब्वॉयज स्कूल की प्राचार्या नम्रता सचदेवा भी मौजूद थी। स्कूल स्टॉफ एवं विद्यार्थियों ने भी अभियान में अहम भूमिका निभाई। सभी ने मिलकर मैदान में उगी झाड़ियों, खरपतवार तथा गंदगी को साफ किया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने मैदान का निरीक्षण किया तथा स्टॉफ सदस्यों व विद्यार्थियों के साथ मैदान की सफाई में योगदान दिया। विधायक ने सभी को शहर को स्वच्छ व साफ-सुथरा बनाने की शपथ भी दिलाई। इस मौके विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने की उनकी मुहिम के तहत अब तक 18वां कार्यक्रम आयोजित हुआ है। स्वच्छता अभियान की मुहिम अब आमजन के दिलों में उतरती जा रही है। उन्होंने कहा कि जब हम सभी साथ मिलकर चलेंगे तो रेवाड़ी बहुत जल्दी स्वच्छ और सुंदर बन जाएगी। कार्यक्रम में सभी अतिथियों, सफाई योद्धाओं व मुहिम से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों को तुलसी का पौधा व विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कृति भेंटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल स्टॉफ सदस्य, अभियान से जुड़े लोग व काफी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

प्रतियोगिता छात्राओं ने खेलकूद की 14 अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया

आरडीएस गर्ल्स कॉलेज में खेलों का आयोजन बीए तृतीय वर्ष की निशा चुनी गई बेस्ट एथलीट

रेवाड़ी। प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं अतिथियों व शिक्षकों के साथ, दौड़ लगाते हुए छात्राएं तथा गोला फेंकते हुए छात्रा। फोटो : हरिभूमि

- प्राचार्य व महाविद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी ने मुख्यातिथि प्रदीप बाम्बड़ को स्मृति चिन्ह प्रदान किया

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

कालाका रोड स्थित आरडीएस पब्लिक गर्ल्स कॉलेज में शनिवार को को प्राचार्य डा. दलबीर सिंह यादव के मार्गदर्शन में बारहवीं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय बावल की प्राचार्या डा. नमिता प्राचार्या ने वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्राचार्य डा. यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा महाविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि उप प्रधान ब्लॉक समिति रेवाड़ी प्रदीप बाम्बड़ थे। उन्होंने कॉलेज को 51000 रुपये की अनुदान राशि प्रदान की। सतीश पब्लिक कॉलेज के प्रधान एन के गुप्ता ने कॉलेज को 11 हजार की अनुदान राशि प्रदान की।

इस मौके पर छात्राओं ने खेलकूद की 14 अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्रा स्नेहा, निशा, गरिमा, कामना, शिवानी, अन्नू, लक्षिता, रेणु, सोनिया, मुस्कान, खुशबू, विशाखा, बबीता, प्रिया, संजना व विधिका ने प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त किया। बीए तृतीय वर्ष की छात्रा निशा को बेस्ट एथलीट घोषित किया किया गया। महाविद्यालय की प्रबंध कारिणी के प्रधान मुकेश कुमार भट्ठेवाले, जनरल सेक्रेटरी, प्रवीण कुमार अग्रवाल, उपप्रधान, मनीष कुमार अग्रवाल व कोषाध्यक्ष प्रमिला भार्गव ने केएलपी कॉलेज के प्रबंधकारिणी के सदस्य, सतीश पब्लिक स्कूल व सतीश पब्लिक कॉलेज की प्रबंध कार्यकारिणी सहित सभी गणमान्य अतिथियों का आभार जताया। प्राचार्य व महाविद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी ने मुख्यातिथि प्रदीप बाम्बड़ को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। मंच संचालन मिथलेष ने तथा कार्यक्रम संचालन कॉलेज खेलकूद प्रभारी चन्द्रकला ने किया। इस मौके पर कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी

डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओर्जेपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल

मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदना ओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकियत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी

संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

मस्ती के साथ कराए दिमागी वर्जिश भूल-भुलैया

आजकल वीडियो गेम्स और मोबाइल गेम्स में तमाम ऐसे खेल खूब चाव से खेले जाते हैं, जिनका बेस भूल-भुलैया होता है। सदियों से देश-दुनिया में अनेक ऐसे भूल-भुलैया बनाए जाते रहे हैं, जो रोमांचक अनुभव दिलाने के साथ ही दिमागी वर्जिश भी खूब कराते हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया में प्रसिद्ध भूल-भुलैया कहां हैं, उनकी क्या विशेषता है, इनकी शुरुआत कैसे हुई और इनके प्रकार से जुड़ी रोचक बातें।

एंज्वॉयमेंट / शिखर चंद जैन

आपने लखनऊ के इमामबाड़ा में, किसी फन पार्क या म्यूजियम में या किसी टूरिस्ट प्लेस पर भूल-भुलैया को जरूर एंज्वॉय किया होगा। पत्र-पत्रिकाओं में पजल सॉल्व करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग किया होगा। इनकी विशेषताएं और उपयोगिताएं बहुत अनोखी होती हैं।

पौराणिक काल में मिले हैं प्रमाण

13वीं सदी की ग्रीक पौराणिक कथाओं में भी भूल-भुलैया जैसी संरचना और गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं। शुरू-शुरू में इन्हें भ्रमित करने या खेलने के लिए नहीं बल्कि आगंतुकों को आध्यात्मिक यात्रा पर भेजने के लिए बनाया गया था। इसका उद्देश्य उनके मन को शांत करना और आत्मनिरीक्षण करने के लिए था। इसमें एक ही घुमावदार रास्ते का अनुसरण किया जाता था।

बहुत पुराना है कॉन्सेप्ट

सबसे पहले भूल-भुलैया का दर्ज इतिहास, मिस्र में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का मिलता है। प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र की भूल-भुलैया का दौरा करने का दावा किया और इसे एक घुमावदार इमारत के रूप में वर्णित किया। ये हजारों कमरों से बनी थीं, जिनमें से कई भूमिगत थे और जिनमें मिस्र के राजाओं की कब्रें भी थीं। उन्होंने लिखा कि यूनानियों के सभी काम और इमारतें एक साथ मिलकर भी श्रम और खर्च के मामले में निश्चित रूप से इस भूल-भुलैया से कमतर होंगी। मध्यकाल तक दुनिया के 25 कैथेड्रल चर्च में भी ऐसी संरचनाएं हुआ करती थीं। यूरोप और अमेरिका के प्राचीनतम चित्रों और पेंटिंग्स में भी इनके होने के प्रमाण मिले हैं।

ध्यान के लिए भूल-भुलैया

मनोरंजक गेम के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ स्ट्रेस और एंग्जायटी दूर करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। दुनिया में कई जगह भूल-भुलैया का उपयोग वॉकिंग मेडिटेशन के लिए किया जाता है। भूल-भुलैया का उपयोग दुनिया भर में मन को शांत करने, मन को एकाग्र करने, चिंताओं से मुक्ति पाने, जीवन में संतुलन बनाए रखने, रचनात्मकता को बढ़ाने और ध्यान, सेल्फ रिफ्लेक्शन और तनाव को कम करने के लिए किया जाता है।

दो प्रकार के भूल-भुलैया

भूल-भुलैया के दो प्रकार माने जाते हैं। एक है लिबरिंथ और दूसरा हेज। लिबरिंथ अपेक्षाकृत आसान होती है। पर इसकी क्लासिकल डिजाइन इसे विशेष बनाती है, जबकि हेज पारंपरिक भूल-भुलैया है। यह जटिल होने के साथ-साथ इसमें लोगों के खो जाने की भी आशंका होती है। लिबरिंथ भूल-भुलैया एकतरफा होती हैं, जबकि हेज भूल-भुलैया शाखाओं में बंटी होती है। इसीलिए यह कठिन होती है।

दुनिया भर में हैं भूल-भुलैया

भूल-भुलैया का प्रचलन दुनिया भर में है। 90 से ज्यादा देशों में 6400 लिबरिंथ हैं। ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में इन से जुड़ी साप्ताहिक गतिविधियां होती हैं। यहां स्थानीय पार्क के अलावा अस्पतालों में भी लिबरिंथ बनाई गई हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू होकर, यूरोपीय राजघरानों ने अपनी संपत्ति पर विस्तृत हेज भूल-भुलैया बनाना शुरू कर दिया। भूल-भुलैया का उद्देश्य मनोरंजन करना था, साथ ही गुप्त बैठकों के लिए निजी, दूर-दराज के स्थान प्रदान करना था।

सबसे बड़ा-कठिन भूल-भुलैया

1980 के दशक में, चित्रकार क्रिस्टोफर मैनसन ने घोषणा की थी कि उनकी भूल-भुलैया पुस्तक में पहेली को सुलझाने वाले पहले व्यक्ति को 10,000 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। 45 पन्नों की इस सचित्र पुस्तक का शीर्षक है 'भूल-भुलैया: दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण पहेली को सुलझाएं।' इसमें पाठकों से एक काल्पनिक घर के केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खोजने और रास्ते में पहेलियां सुलझाने को कहा गया था। हालांकि यह काम अपेक्षाकृत सरल लग रहा था, लेकिन पहेलियां बेहद कठिन थीं। पहले विजेता को इसका हल ढूंढ़ने में लगभग दो साल लग गए थे। कुछ वर्ष पहले तक सबसे बड़ा अस्थायी मकई भूल-भुलैया 60 एकड़ में फैला हुआ था। 2014 में, कैलिफोर्निया के डिक्सन स्थित कूल पैच पंपकिंस के आगंतुकों को विशाल, घुमावदार अस्थाई भूल-भुलैया का आनंद लेने का अवसर मिला, जिसके बारे में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुष्टि की कि यह अब तक की सबसे बड़ी भूल-भुलैया थी। यह इतना बड़ा था कि कई पर्यटकों ने इसमें खो जाने के बाद अपनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल भी किया।

ये भी हैं दिलचस्प भूल-भुलैया

दुनिया की सबसे बड़ी हेज भूल-भुलैया में लगभग 2.5 मील लंबे रास्ते हैं। डोल प्लांटेशन का विशाल अनानास गार्डन भूल-भुलैया 14,000 उष्णकटिबंधीय पौधों से बनाया गया है। इसे 2008 में दुनिया में सबसे लंबा घोषित किया गया था। 2012 में, कलाकारों ने 250,000 किताबों से एक भूल-भुलैया बनाई। लंदन में पॉप-अप इंस्टॉलेशन 'अमेजमी' नाम से सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा चार दिनों में बनाया गया था। इसे देखने वालों ने क्लासिक साहित्य का आनंद लिया। ब्राजील के कलाकार मार्कोस सबोया और गुआल्टर पुपो ने इस संरचना को स्पेनिश भाषा के लेखक जेएल बोर्गेस के फिंगरप्रिंट के आकार की नकल करने के लिए डिजाइन किया था। *

वीडियो गेम्स में भूल-भुलैया

कई शुरुआती वीडियो गेम्स में भी भूल-भुलैया बनाई जाती थी। 1970 के दशक में, पेन-एंड-पेपर भूल-भुलैया वाली किताबें चलन में आ गई थीं। बच्चे और वयस्क समान रूप से अलग-अलग भूल-भुलैया चित्रों के माध्यम से एक रेखा खींचते थे, जितना संभव हो, उतना कम गलत मोड़ लेने की कोशिश करते थे। लगभग उसी समय, शुरुआती वीडियो गेम कंपनियों ने सरल 2D भूल-भुलैया गेम बनाना शुरू कर दिया, जो पेन-एंड-पेपर गेम के समान ही थे, जिसमें भूल-भुलैया या भूल-भुलैया पहेलियों के माध्यम से दौड़ शामिल थी।

अपने कुदरती सौंदर्य के लिए देश के मशहूर हिल स्टेशंस में सिक्किम का अलग ही महत्व है। बीती फरवरी में लेखक ने अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान कई बेमिसाल नजारों का दीदार किया। उन अनुभवों को यहां साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

लाजवाब-मनमोहक सिक्किम के नजारे

यात्रा-अनुभव / समीर चौधरी

मेरा मानना है कि सैर करने वाले मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक, जो बिना किसी योजना के यात्रा करते हैं। वह बिना किसी एजेंडा के ट्रिप पर निकल जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं कि नई लोकेशन और नजारे उनके सामने अपने आप खुलते चले जाएंगे। दूसरे प्रकार के पर्यटकों में इस किस्म का समभाव नहीं होता है। वे अपनी छुट्टियां मनाने के लिए निश्चित कार्यक्रम बनाते हैं और उसी के अनुसार चलने का प्रयास करते हैं। मैं खुद को दूसरी श्रेणी में रखता हूं। लेकिन मेरी यह धारणा हाल में की गई सिक्किम यात्रा के बाद बदल गई।

सिक्किम टूर की प्लानिंग: हालांकि बचपन में मैं कई बार मसूरी जैसे हिल स्टेशन की यात्रा कर चुका हूं। लेकिन उससे आगे का हिमालय क्षेत्र मेरे लिए रहस्य ही रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए मैं हाल ही में एक सप्ताह के लिए सिक्किम की यात्रा पर गया। मैंने अपना कार्यक्रम बनाने में अधिक समय बर्बाद नहीं किया और जल्दी से इस पहाड़ी राज्य की टॉप साइट्स चुन लिया, जहां मुझे जाना था जैसे- नाथूला पास, गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी।

बर्फीले सौंदर्य को देखने का सपना: फरवरी में गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मैं सुबह के समय इस शहर में पहुंचा था। उद्देश्य सिर्फ इसे देखना ही नहीं था बल्कि मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं बर्फीली चोटियों के बीच होऊंगा। मैंने इस समय यहां जाने का इसलिए निर्णय लिया था ताकि सिक्किम को उसके जाड़े के पूर्ण वैभव में देख सकूं, यह जानते हुए भी कि कुछ चुनौतियों का अवश्य सामना करना पड़ेगा।

नहीं देख सका कंचनजंगा: जब मैं पहुंचा तो ठंडे गंगटोक ने मेरा स्वागत किया। बादल भरे आसमान में सूरज तो बस दिल को तसल्ली भर दे रहा था। देर शाम तक मेरे मुंह से कार्बन डाइऑक्साइड गहरे जमे धुएं की तरह ऐसे निकल रही थी, जैसे मैं चेन स्मोकिंग कर रहा हूं। सिक्किम की राजधानी में मैंने बाजारों और मठों को देखा, दिन में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोशनी की किरण दिख जाती थी। मेरे लिए आकर्षण के स्पॉट्स वह थे, जहां से मैं दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर) कंचनजंगा को बिना किसी बाधा के देख सकूं। जब मैं एक ऐसे ही स्पॉट पर पहुंचा तो मेरे गाइड (जो चालक की भूमिका में भी था) ने धुंध की एक मोटी परत की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब आसमान साफ होता है तो दूर से ही कंचनजंगा को धूप में नहाते हुए देखा जा सकता है। मैंने धुंध भरे क्षितिज को कई बार अपनी आंखों से भेदने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि मैं नाकाम रहा, कंचनजंगा नहीं दिखा।

दिखे दिलकश नजारे: अगली सुबह मुझे नाथू ला जाना था। गाइड ने बताया कि भारी बर्फबारी की वजह से सड़क बंद हो गई है। नाथू ला जाने के लिए पर्यटक परमिट लेना पड़ता है। वह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मेरी हॉलिडे योजना पर ठंडी बर्फ गिर गई। इससे अगले दिन मुझे बताया गया कि गुरुडोंगमार झील भी नहीं जाया जा सकता। सड़कों पर से बर्फ हटाने में कई दिन लगेंगे। मुझे मेरे मनचाहे नजारों के बजाय केवल सिक्किम के जाड़ों का अहसास मिल रहा था। गाइड के सुझाव पर मैंने उत्तरी सिक्किम में छोटे से टाउन लाचुंग जाने का प्लान बनाया। मेरे गाइड ने कहा, 'जब आप इतनी दूर आ ही गए हैं तो मैं आपको बर्फ दिखाए बिना नहीं जाने दे सकता।' हम एक पतली, नागिन की तरह लहराती पगडंडी पर पहाड़ की तरफ जाने लगे। जल्द ही ढलान पर कोनिफर (शंकुधर वृक्ष) दिखाई देने लगे। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए पेड़ फ्रॉस्ट से मोटे होते चले गए। सड़क के दोनों किनारों पर और पहाड़ों पर कारपेट की तरह बर्फ जम गई थी। पूजा ध्वज फड़फड़ा रहे थे, शांत पुल के नीचे नदी बह रही थी।

अगली दोपहर मेरे होटल की खिड़की के बाहर की दुनिया अचानक धुंधली हो गई। हजारों रूई की गेंदें आसमान में तैर रही थीं। मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था। मैं होटल के कमरे से बाहर निकल आया। एक सप्ताह की निराशा के बाद मैं स्नोफॉल देख रहा था। हर जगह बर्फ की मोटी परत जम चुकी थी। जब हम गंगटोक लौट रहे थे तो बर्फ के टुकड़े हमारी कार पर गिर रहे थे। गंगटोक से घर लौटने पर मैं सोचने लगा कि जो कार्यक्रम बनाया था, वह तो फेल हो गया, लेकिन जो अनिश्चित-अनपेक्षित देखने को मिला, वह सुंदर और यादगार था। *

जिस तरह एक समय तक अच्छी जॉब-करियर के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी होता था, आज के दौर में डिजिटल लिटरेसी का करियर ग्रोथ में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है। इसकी इंपॉर्टेंस के बारे में जानिए।

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी डिजिटल लिटरेसी

सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास जितनी डिग्रियां हों, चाहे जितने बुद्धिमान हों, करियर में ग्रो करना आपके लिए संभव नहीं होगा। आजकल तो करियर के मामले में लिटरेसी का मतलब ही हो गया है डिजिटल लिटरेसी।

क्या है डिजिटल लिटरेसी: डिजिटल लिटरेसी का मतलब, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेस को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना भी सही मायने में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है।

कई करियर ऑप्शंस तक पहुंच: अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपके सामने विभिन्न तरह के करियर ऑप्शंस हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं अगर आप वर्क फ्रॉम होम और गिग इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं तो भी आपके लिए डिजिटल स्किल्स का होना बहुत जरूरी है।

बढ़ती है प्रोडक्टिविटी: अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और क्वालिटी ला सकते हैं। समय बचाने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको कॉम्पिटिशन में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े-लिखे हों और चाहे जितने इंटेलीजेंट हों, आपकी प्रोडक्टीविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी। टाइम सेविंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतिस्पर्धा में आगे रखता है।

जॉब सर्च-नेटवर्किंग में सुविधा: अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर और दूसरे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए बेहतर से बेहतर जॉब्स खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के जरिए आप अपने क्षेत्र विशेष के लोगों से जुड़कर अपने लिए नए-नए अवसर पैदा कर सकते हैं। साथ ही नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण न सिर्फ आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है बल्कि लोगों के बीच इज्जत भी ज्यादा मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉक चेन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में काम करने के लिए यह बेसिक स्किल बहुत जरूरी है।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट में हेल्पफुल: अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली एक्सपर्ट होंगे।

अगर पीछे रह गए तो: अगर इतनी जरूरत साबित होने के बाद भी आप डिजिटल इलिटरेट रह जाते हैं तो इसका आपको अपने करियर में कई तरह से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। मसलन, डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा पिछड़ सकते हैं। डिजिटल लिटरेसी की कमी के कारण आपको अच्छी सैलरी वाली जॉब नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो आपका टिकना भी मुश्किल हो सकता है। डिजिटल लिटरेसी न होने पर आपके साथ कई तरह के ऑनलाइन फ्रॉड कभी भी हो सकते हैं। *

ऐसे सुधारें डिजिटल लिटरेसी

कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेस मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कोशिश करें। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कांफ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। इसी तरह फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाएं और रियल लाइफ में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रैक्टिस करें। मसलन, ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई-कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे।

शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में प्रेम आधारित कितनी ही फिल्में बनीं और जबर्दस्त सफल हुईं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में ऐसी कई फिल्में भी खूब हिट हुईं, जिनमें प्यार का एंगल न के बराबर था, तो क्या मान लिया जाए कि लव-बेस्ड फिल्मों का जादू कम होने लगा है?

कम हो रहा लव-बेस्ड फिल्मों का जादू!

सिने-ट्रेंड / हेमंत पाल

मोहब्बत की यादगार दास्तान 'मुगल-ए-आजम'

एक ट्रैजिक प्रेम कहानी 'देवदास'

प्रेम जीवन का ऐसा कोमल अहसास है, जिसे कहीं से भी मोड़कर उसे कथानक का रूप दिया जा सकता है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो कई दशकों तक प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय रहा। अब तक जितनी भी फिल्में बनीं, उनमें सबसे ज्यादा फिल्मों के विषय प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही घूमते रहे हैं।

फिल्मों में जरूरी तत्व रहा प्रेम: शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से रंगीन फिल्मों तक में जो बात हर दौर में कॉमन रही, वो है-प्रेम कहानियां। फिल्मों की कहानी का आधार चाहे एक्शन हो, सामाजिक हो, कॉमेडी या फिर हॉरर, हर कहानी में कोई न कोई लव स्टोरी जरूर होती रही। देखा जाए तो अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में भी कथानक को आगे बढ़ाने में प्रेम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लंबी है प्रेमाधारित फिल्मों की फेहरिस्त: हिंदी सिनेमा में अमर प्रेम कथाओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। 'मुगले आजम', 'आवारा', 'कागज के फूल', 'प्यासा', 'साहिब बीवी और गुलाम', 'पाकीजा', 'कश्मीर की कली', 'आराधना', 'बॉबी', 'सिलसिला', 'देवदास', 'मैंने प्यार किया', 'कयामत से कयामत तक', 'एक दूजे के लिए', 'दिल है कि मानता नहीं', 'लव स्टोरी', 'साजन', 'दिल', 'उमराव जान', '1942 ए लव स्टोरी', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ-कुछ होता है', 'रंगीला', 'कल हो न हो', 'जब वी मेट', ऐसी कितनी ही फिल्मों में प्रेम को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

दर्शकों को खूब आए पसंद 'बजरंगी भाईजान'

नए दौर की फिल्मी लव स्टोरीज: समय बदलने के साथ जैसे युवाओं की सोच बदली, उनके प्यार करने का तरीका भी बदला। इसे भी फिल्मी पर्दे पर बखूबी दर्शाया गया। नई पीढ़ी के प्रेम के रंग-ढंग को दर्शाती फिल्मों में 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ए हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेकअप सिड', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'रॉक स्टार', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी-टू', 'कॉकटेल', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'तनु वेड्स मनु', 'मसान', 'तमाशा', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'बरेली की बर्फी' जैसी अनेक फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है।

दर्शकों को पसंद आता प्यार का अहसास: फिल्मों का कथानक कितना भी नयापन लिए हो, उसका मोहब्बत से दूर-दूर तक वास्ता न हो, फिर भी उसमें एक प्रेम कहानी जरूर पनपती है। क्योंकि प्रेम जीवन की वो शाश्वत सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय दर्शक के जीवन में मोहब्बत के अलग ही मायने हैं और इन्हीं भावनाओं को वो हर पल जीता है। उसे 'मुगले आजम' की सलीम और अनारकली का इश्क कामयाब न होना उतना ही सालता है, जितना 'सदमा' में श्रीदेवी और कमल हासन का बिछड़ना! दरअसल, सामान्य जिंदगी में भी प्रेम कथाओं की कमी नहीं होती, पर दर्शक फिल्मों के जरिए अपनी मोहब्बत के अधूरे सपनों को जीता है। फिल्म बनाने वालों ने भी दर्शकों की इस कमजोरी को अच्छी तरह समझ लिया। फिल्मों के हर कथानक में एक लव स्टोरी यदि किसी फिल्म में प्रेम-प्रसंग था भी, तो महज कहानी को आगे बढ़ाने के लिए थे। 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान', 'दंगल', 'रुस्तम', 'नीरजा', 'पिंक', 'कहानी', 'एयरलिफ्ट', 'निल बटे सन्नाटा', 'उड़ता पंजाब', 'एम.एस. धोनी' से लेकर 'काबिल' और 'जॉली एलएलबी-2' तक में प्रेम का एंगल न के बराबर रहा। रहा भी तो महज कथानक को आगे बढ़ाने के लिए। सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' दोनों ही फिल्मों में नायक-नायिका के बीच प्रेम तो दिखाया गया है, लेकिन ये फिल्में कहीं से भी प्रेम-कहानी नहीं है। अक्षय कुमार की 'रुस्तम' की कहानी का आधार कोर्ट केस ही रहता है। सोनम कपूर की फिल्म 'नीरजा' तो पूरी तरह एक एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी है। वास्तव में प्रेम कहानी को हाशिए पर रखकर फिल्मों में कुछ नया, कुछ अलग दिखाने का ये ट्रेंड धीरे-धीरे आया और सफल भी हुआ। तो क्या ये मान लिया जाए कि हिंदी फिल्मों में मोहब्बत के कॉन्सेप्ट को लेकर दर्शकों में क्रेज नहीं रहा! ऐसी लवस्टोरीज हाशिए पर जा रही हैं! *

एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी 'नीरजा'